महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

अपनो में अपनापन चाहिये तो बेवजह मिलीये क्यों की कई रिश्ते केवल बुलावे के इंतजार में बिखर जाते है

वर्ष : 16 अंक : 330 | उज्जैन, मंगलवार 12 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण के लिए 29 हजार 540 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण के लिए 15 हजार 598 करोड़ रूपये की स्वीकृति

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुईं। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के परीक्षण और अनुमोदन के लिए 15 हजार 598 करोड़ रुपये और शहरी व नगरीय मार्गों के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण के लिए 6,900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा क्षेत्र के विस्तार के लिए बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। साथ ही जिले की खुमानसिंह शिवाजी जलाशय सिंचाई परियोजना के लिए 163.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति के साथ ही राज्य मंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया हैं। इसके साथ ही सड़क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए 10 करोड़ से कम लागत के डामरीकरण कार्यों में मूल्य समायोजन और MPRDC अंतर्गत EPC तथा HAM परियोजनाओं में मासिक दर समायोजन की भी स्वीकृति दी गई है।

लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण के लिए 15 हजार 598 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने वित्त विभाग अंतर्गत लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण तथा प्रशासकीय अनुमोदन की प्रक्रिया से संबंधित योजना को 16 वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031) तक योजनाओं के संचालन की निरंतरता के लिए कुल 15,598.27 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार कोषालयों की स्थापना के लिए 683.50 करोड़ रूपये, लंबित देनदारियों के भुगतान से सम्बंधित योजना के लिए 13,818.32 करोड़ रूपये के साथ लेखा प्रशिक्षण शालाओं की स्थापना, विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण, म.प्र. आंतरिक लेखा परीक्षण प्रकोष्ठ, निर्देशन एवं प्रशासन, संभागीय कार्यालयों की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाएँ एवं कार्य के लिए 1,096.45 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए 6 हजार 900 करोड़ रूपये की स्वीकृति- मंत्रि-परिषद ने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और उन्नयन सहित सड़कों के सुदृढ़ीकरण से संबंधित योजनाओं को सोलहवें वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च 2031) तक निरंतर संचालन के लिए 6 हजार 900 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और उन्नयन के लिए 2,100 करोड़ रूपये और सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 4,800 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है।

मंत्रि-परिषद ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.) अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 1 अप्रैल 2026 से आगामी 5 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 6115.99 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना 15 अगस्त 1995 से प्रभावशील है। योजना का क्रियान्वयन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। योजनान्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वृद्धजनों को उनकी पात्रतानुसार 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन राशि का भुगतान किया जाता है।

बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति- मंत्रि-परिषद द्वारा सीहोर के बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 714.91 करोड़ रूपये के स्थान पर 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार बुदनी में 100 एम.बी.बी.एस. सीट प्रवेश क्षमता के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय तथा 500 सीटर संबद्ध अस्पताल स्थापित किया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

गरीबी में आटा गीला... पीएम मोदी की खपत कम करने की अपील पर बरसी कांग्रेस

नई दिल्ली/ जीएनएस। कांग्रेस ने पश्चिम एशिया युद्ध से पनपे हालात के मद्देनजर जनता से पेट्रोल-डीजल से लेकर खाद्य तेल की खपत कम करने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील की तीखी आलोचना की। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे सरकार की विफलता का प्रमाण बताते हुए आरोप लगाया कि कि पीएम मोदी अपनी 12 साल की नाकामी का ठीकरा जनता पर फोड़ रहे हैं। पीएम मोदी की अपील पर सोमवार को एक्स पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा-सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम जलाओ, खाद और खाने का तेल कम करो, मेट्रो में चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं, ये नाकामी के सुबूत हैं। 12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है क्या खरीदे, क्या न खरीदे, कहां जाए, कहां न जाए। हर बार जिम्मेदारी जनता पर डाल देते हैं, ताकि खुद जवाबदेही से बच निकलें। देश चलाना अब समझौता करने वाले पीएम के बस की बात नहीं। मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम की अपील पर तंज कसते हुए कहा कि जब गरीबी में आटा गीला हो रहा है तब पीएम मोदी देश को बचत करने का पाठ पढ़ा रहे हैं। पश्चिम एशिया युद्ध शुरू हुआ तो 28 फरवरी को कांग्रेस ने अर्थव्यवस्था की बर्बादी, रुपये में लगातार गिरावट, पेट्रोल-डीजल-एलपीजी के दाम और किल्लत, खाद की कमी, दवाइयों के दाम और एमएसएमई के संकट जैसे विषयों को उठाया था।

चुनावी हार और गायब वोट, ममता बनर्जी को सुप्रीम कोर्ट से मिली नई उम्मीद

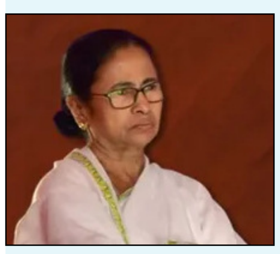

नई दिल्ली/ जीएनएस। बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य उम्मीदवारों को उन 31 निर्वाचन क्षेत्रों के संबंध में नई याचिकाएं दायर करने की अनुमति दे दी है, जहां हार का अंतर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए वोटों की संख्या से कम था। ममता और उनकी पार्टी का आरोप है कि एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से हटाए गए 90.8 लाख नामों ने चुनाव की दिशा बदल दी। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच चुका है, जहां आंकड़ों और अधिकारों के बीच एक गंभीर बहस छिड़ी हुई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता और सांसद कल्याण बनर्जी ने कोर्ट में एक चौंकाने वाला उदाहरण पेश किया। उन्होंने बताया कि उनका एक उम्मीदवार महज 862 वोटों से हार गया, जबकि उसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनावी प्रक्रिया के दौरान 5,550 मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए थे। बनर्जी का दावा है कि राज्य की कम से कम 31 सीटों पर यही स्थिति रही, जहां हटाए गए वोटों की संख्या हार-जीत के मार्जिन से कहीं ज्यादा थी। सुप्रीम कोर्ट की इस पीठ, जिसमें चीफ जस्टिस (सीजेआई) सूर्यकांत और जस्टिस जयमाल्यो बागची शामिल हैं, ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची से नाम हटाए जाने और उसके चुनाव परिणामों पर पड़े प्रभाव की स्वतंत्र जांच के लिए नई अंतरिम अर्जी दाखिल की जा सकती है। वहीं, चुनाव आयोग ने इस दलील का कड़ा विरोध किया है। आयोग के वकील डी.एस. नायडू का तर्क है कि चुनाव परिणामों को चुनौती देने का एकमात्र कानूनी रास्ता इलेक्शन पिटीशन (चुनाव याचिका) है, न कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर सुनवाई। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि आयोग अपनी यह बात जवाबी हलफनामे में रख सकता है।

सिर्फ सोना और पेट्रोलियम ही नहीं ये प्रोडक्ट भी बढ़ाते हैं एक्सपोर्ट बिल, कैसे होगी विदेशी मुद्रा की बचत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। पेट्रोलियम पदार्थ और सोने के साथ इलेक्ट्रानिक्स उत्पाद, खाद्य तेल और चांदी के आयात को कम करके विदेशी मुद्रा की बचत की जा सकती है। देश के कुल आयात में इन पांच उत्पादों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक है। गत वित्त वर्ष 2025-26 में 774 अरब डॉलर का कुल आयात किया गया और इनमें पेट्रोलियम पदार्थ, इलेक्ट्रानिक्स आइटम, सोना, चांदी, खाद्य तेल की हिस्सेदारी 393 अरब डॉलर की थी।

पश्चिम एशिया के संकट को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पेट्रोल-डीजल की खपत सोच-समझ कर करने तो सोने की खरीदारी को एक साल तक टालने की अपील की है, जिससे आयात बिल को कम किया जा सके। आरबीआई के मुताबिक इस साल एक मई को विदेशी मुद्रा का भंडार 690 अरब डॉलर का था। जबकि पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के समय इस साल फरवरी आखिर में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 728.5 अरब डॉलर का था। पिछले एक साल के दौरान डॉलर के मुकाबले भारतीय मुद्रा में 10 रुपये की गिरावट दर्ज की गई है। सोने के दाम में पिछले एक साल में 50 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम तक का इजाफा हुआ है। इस कारण वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात बिल 24 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 72 अरब डॉलर तक पहुंच गया। जबकि गत वित्त वर्ष 2025-26 में वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 36 टन कम सोने का आयात किया गया। दूसरी तरफ, गत वित्त वर्ष में चांदी के आयात में मात्रा और राशि दोनों के लिहाज से भारी बढ़ोतरी रही।

मूल्य के लिहाज से चांदी के आयात में 149 प्रतिशत का इजाफा रहा। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों व एथनाल जैसे वैकल्पिक ईंधन को अपनाने से पेट्रोलियम पदार्थों का आयात कम हो रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 में कच्चे तेल व अन्य पेट्रोलियम पदार्थ का आयात 174 अरब डॉलर का रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 के मुकाबले 6.37 प्रतिशत कम है। इस अवधि में खाद्य तेल का आयात 19.5 अरब डॉलर रहा। देश में खाद्य तेल के उत्पादन को बढ़ाकर इस आयात को कम किया जा सकता है।

कितना रहा एक्सपोर्ट बिल - इलेक्ट्रानिक्स आइटम का आयात गत वित्त वर्ष में 116 अरब डॉलर का रहा। मोबाइल फोन, टीवी जैसे आइटम को बनाने में सैकड़ों छोटे-छोटे इलेक्ट्रानिक आइटम का आयात किया जाता है। इन आइटम का निर्माण भारत में शुरू करके आयात बिल को कम किया जा सकता है और इससे रोजगार में भी बढ़ोतरी होगी।

डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्य में गिरावट से भी सोने का आयात बिल बढ़ा है। सोने के दाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तय होते हैं, इसलिए भारत में सोने की खरीदारी कम करने से सोने के भाव पर फर्क नहीं पड़ेगा।

वित्त वर्ष 2025-26 में सोने का आयात 721.03 टनवित्त वर्ष 2024-25 में सोने का आयात 757.09 टनवित्त वर्ष 2025-26 में चांदी का आयात 7334 टनवित्त वर्ष 2024-25 में चांदी का आयात 5164 टन आयात होने वाले प्रमुख उत्पाद और मूल्य (2025-26)पेट्रोलियम पदार्थ और कच्चा तेल 174 अरब डॉलरइलेक्ट्रानिक्स आइटम 116 अरब डॉलरसोना 72 अरब डॉलरखाद्य तेल 19.5 अरब डॉलरचांदी 12 अरब डॉलर।

धार्मिक शिक्षा देने वाले संस्थानों के नियमन की मांग की याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने कहा- केंद्र से संपर्क करें

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को शिक्षा या धार्मिक शिक्षा प्रदान करने वाले सभी संस्थानों के नियमन की मांग संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को केंद्र से संपर्क करने के लिए कहा।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने याचिकाकर्ता वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय को भारत सरकार के समक्ष एक अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा। पीठ ने कहा, हम इस याचिका का निपटारा करते हुए प्रतिवादी संख्या एक (केंद्र) को निर्देश देते हैं कि वह याचिकाकर्ता के चार फरवरी, 2026 के अभ्यावेदन पर विचार करे और उस पर उचित निर्णय ले। लिया गया निर्णय याचिकाकर्ता को सूचित किया जाएगा।

जब उपाध्याय ने अपनी दलील पर जोर देना जारी रखा, तो पीठ ने कहा, आप एक ऐसी पीठ के समक्ष हैं जिसमें बहुत रूढ़िवादी और पारंपरिक न्यायाधीश हैं। हम जल्दबाजी नहीं करते। पीठ ने आगे कहा, न्याय एकतरफा नहीं होता।

फुजैरा पोर्ट से भारतीयों की निकासी की खबर फर्जी, विदेश मंत्रालय ने दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली/ जीएनएस। विदेश मंत्रालय ने उस मीडिया रिपोर्ट को पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) फुजैरा पोर्ट के जरिए भारतीय नागरिकों को निकालने के लिए समझौता कर रहे हैं।

मंत्रालय ने इसे फर्जी और बेबुनियाद खबर बताया है। मंत्रालय की फैक्ट चेक इकाई ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि ऐसी किसी निकासी योजना पर काम नहीं हो रहा है। मंत्रालय ने लोगों से अफवाहों और गलत सूचनाओं से सतर्क रहने की अपील भी की। दरअसल, कुछ मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित विदेश यात्रा के दौरान यूएई के फुजैरा में भारतीय कामगारों की निकासी को लेकर समझौता हो सकता है।

केरलम का अगला मुख्यमंत्री कौन? कांग्रेस में सस्पेंस बरकरार, वेणुगोपाल और सतीशन खेमों की लॉबिंग तेज

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरलम के अगले मुख्यमंत्री को लेकर कांग्रेस में सस्पेंस अभी भी बना हुआ है। नई दिल्ली में पार्टी नेतृत्व के साथ हुई बैठकों के बाद के सी वेणुगोपाल और वी डी सतीशन के समर्थन में लॉबिंग और तेज हो गई है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और वरिष्ठ नेता ए के एंटनी इस फैसले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर अंतिम फैसला लेने से पहले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के सहयोगी दलों से भी चर्चा की जा सकती है।

हाईकमान के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहे हैं। तीनों नेताओं के समर्थक अपने-अपने नेता के पक्ष में माहौल बनने का दावा कर रहे हैं।

चीन-पाक की अब खैर नहीं, भारतीय सेना के ड्रोन से बरसेंगे गाइडेड रॉकेट; GPS जाम होने पर भी दुश्मन का होगा काम तमाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना की मारक क्षमता को और मजबूत बनाने के लिए दो नए स्वदेशी अत्याधुनिक घातक हथियारों से लैस किया गया है। इनमें पहला, ड्रोन (यूएवी) से लांच किया जाने वाली गाइडेड लोइटरिंग म्यूनिशन - यूएलपीजीएम (यूएवी लांच्ड प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन) और दूसरा, हवा में सीधी उड़ान भरने की क्षमतावाला कामीकाजी ड्रोन अग्निका वीटीओएल-1 एफपीवी शामिल हैं।

इन्हें सेना की आपातकालीन खरीद (ईपी-6) के तहत उपलब्ध कराया गया है। इन प्रणालियों के सेना में शामिल होने से पाकिस्तान और चीन जैसे दुश्मन देशों के ठिकानों पर बेहद सटीक, तेज और सुरक्षित तरीके से हमला करना संभव होगा। खास बात यह है कि ये सिस्टम कठिन युद्ध परिस्थितियों, ऊंचाई वाले इलाकों और इलेक्ट्रानिक वारफेयर जैसे माहौल में भी प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं। इन युद्धक प्रणालियों के जरिये सेना को आतंकवाद विरोधी अभियानों, सीमा पार घुसपैठ रोकने, पहाड़ी युद्धक्षेत्रों और शहरी संघर्षों में बड़ी रणनीतिक बढ़त मिल सकेगी।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, हैदराबाद में पश्चिमी कमान के अधिकारियों की मौजूदगी में इन प्रणालियों को सेना को सौंपा गया। इससे पहले इनके हाई एल्टीट्यूड, इलेक्ट्रानिक वारफेयर और प्रिसिजन फायरिंग ट्रायल सफल रहे। यह उपलब्धि आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी रक्षा तकनीक की दिशा में बड़ी सफलता मानी जा रही है।

यूएलपीजीएम पहला स्वदेशी लोइटरिंग म्यूनिशन यूएलपीजीएम को डीआरडीओ और अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह अपनी श्रेणी का देश का पहला स्वदेशी हवा से सतह पर मार करनेवाला लोइटरिंग म्यूनिशन यानी गाइडेड राकेट है, जिसे ड्रोन (यूएवी) से दागा जा सकता है।

सोना खरीदने की जरूरत नहीं, ऑनलाइन क्लास और कम तेल का प्रयोग, पीएम मोदी ने 24 घंटे में दूसरी बार की अपील

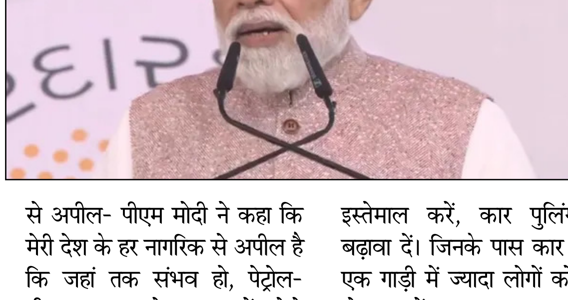

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के वडोदरा में सरदारधाम छात्रावास का उद्घाटन के मौके पर देश से 24 घंटे के भीतर दूसरी बार वैश्विक संकट का जिक्र किया।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया लगातार अस्थिर परिस्थितियों से गुजर रही है। पहले कोरोना का संकट, फिर वैश्विक आर्थिक चुनौतियां, और अब पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव। इन सारी परिस्थितियों का असर लगातार पूरी दुनिया पर पड़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है।

पीएम मोदी की देश के नागरिकों से अपील- पीएम मोदी ने कहा कि मेरी देश के हर नागरिक से अपील है कि जहां तक संभव हो, पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें। मेट्रो का उपयोग करें, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का अधिक इस्तेमाल करें, कार पुलिंग को बढ़ावा दें। जिनके पास कार है, वो एक गाड़ी में ज्यादा लोगों को साथ लेकर चलें।

डिजिटल टेक्नोलॉजी ने अब इतना कुछ आसान बना दिया है कि टेक्नोलॉजी की मदद भी हमारे लिए बहुत फायदेमंद होगी। ये जरूरी है कि सरकारी और प्राइवेट दोनों ही दफ्तरों में वर्चुअल मिटिंग्स और वर्क फ्रॉम होम की प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने कहा कि अगर कोरोना महामारी इस सदी का सबसे बड़ा संकट थी, तो पश्चिम एशिया में युद्ध से बनी परिस्थितियां, इस दशक के बड़े संकटों में से एक है। जब हमने मिलकर कोरोना का मुकाबला कर लिया तो इस संकट से भी अवश्य पार पा जाएंगे। सरकार भी लगातार ये प्रयास कर रही है, कि देश के लोगों पर इसका कम से कम असर हो।

जब तक हालात सामान्य न हो, हम सोने की खरीद को टालें- पीएम- पीएम ने कहा कि सोने की आयात पर भी देश का बहुत बड़ा पैसा विदेश जाता है। इसलिए, मैं आप सभी से, देशवासियों से आग्रह करूंगा कि जब तक हालात सामान्य न हो, हम सोने की खरीद को टालें। आज समय की मांग है कि हम %वोकल फॉर लोकल% को एक जन-आंदोलन बनाएं। विदेशी सामान की जगह, लोकल उत्पादों को अपनाएं। अपने गांव, अपने शहर, अपने देश के उद्यमियों को ताकत दें।

इंदौर यातायात पुलिस का व्यापक सड़क सुरक्षा अभियान, 15 दिनों में 51 कार्यक्रम आयोजित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर यातायात पुलिस द्वारा शहर में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापक अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में 26 अप्रैल से 10 मई 2026 तक शहरभर में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अभियान के तहत यातायात पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों, शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, औद्योगिक संस्थानों, व्यापारिक संगठनों और सामाजिक संस्थाओं में लगातार संवाद स्थापित कर नागरिकों को सुरक्षित यातायात नियमों की जानकारी दी। 15 दिनों के दौरान कुल 51 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से लगभग 19 हजार 380 नागरिकों तक प्रत्यक्ष रूप से सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया, जबकि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से लाखों लोग अप्रत्यक्ष रूप से जागरूक हुए।

अभियान के दौरान हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, ओवरस्पीडिंग, ड्रिंक एंड ड्राइव, मोबाइल फोन के उपयोग से बचाव, गलत दिशा में वाहन न चलाने तथा ट्रैफिक सिग्नल के पालन जैसे विषयों पर विशेष जोर दिया गया। युवाओं और विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए संवादात्मक सत्र, प्रेजेंटेशन, डेमो और प्रश्न-उत्तर कार्यक्रम आयोजित किए गए। यातायात पुलिस द्वारा डिजिटल स्क्रीन रथ, सड़क सुरक्षा गीत, वाहन रैली, नुक्कड़ नाटक, ट्रैफिक की पाठशाला और शहर के प्रमुख चौराहों पर एनाउंसमेंट जैसे कार्यक्रमों के जरिए नागरिकों को सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा का संदेश दिया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्वयं सड़कों पर उतरकर वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की और नियमों का पालन करने वालों को प्रोत्साहित भी किया।

शहर की यातायात व्यवस्था में जनसहभागिता बढ़ाने के लिए ट्रैफिक प्रहरी अभियान के तहत 3650 ट्रैफिक प्रहरियों ने विभिन्न चौराहों पर सेवाएं दीं। उत्कृष्ट कार्य करने वाले ट्रैफिक प्रहरियों को प्रत्येक मंगलवार सम्मानित किया जा रहा है।

यातायात पुलिस द्वारा शुरू किए गए व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर अब तक 2753 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 2735 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। इसके अलावा 30 हेलमेट वितरण कार्यक्रमों के माध्यम से जरूरतमंद वाहन चालकों को 4220 से अधिक हेलमेट वितरित किए गए। यातायात पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों के व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना है ताकि सड़क सुरक्षा को जनचेतना का हिस्सा बनाया जा सके। यातायात पुलिस ने भविष्य में भी इसी प्रकार जागरूकता अभियान जारी रखने की बात कही है।

इंदौर के तीन इमली बस पार्किंग में भीषण आग, पांच बसें जलकर खाक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के तीन इमली और नौलखा क्षेत्र स्थित प्राइवेट बस पार्किंग में सोमवार सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते पार्किंग में खड़ी करीब पांच बसें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं। घटना के दौरान आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और दूर तक काले धुएं का गुबार दिखाई देता रहा। आग की चपेट में कुछ दोपहिया वाहन भी आ गए।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण वेल्डिंग के दौरान निकली चिंगारी बताया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगने के बाद जोरदार धमाकों की आवाजें भी सुनाई दीं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला। क्षेत्र के पार्षद मनीष शर्मा सहित कई रहवासी ट्रैवल्स ऑफिस के बाहर धरने पर बैठ गए। स्थानीय नागरिकों ने रहवासी इलाके से बस डिपो हटाने की मांग करते हुए कहा कि इस प्रकार की पार्किंग से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

फिलहाल पुलिस और प्रशासन पूरे मामले की जांच में जुट गए हैं। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

20 मई तक फार्मर रजिस्ट्री सेचुरेशन कार्य के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया जा रहा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में फार्मर रजिस्ट्री सेचुरेशन का कार्य प्रभावी रूप से किया जा रहा है। उक्त अभियान को 20 मई तक पूर्ण करने के लिए डोर-टू-डोर अभियान चलाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री के अंतर्गत फार्मर आईडी बनाए जाने का कार्य केन्द्र शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता में शामिल है। फार्मर आईडी के अंतर्गत प्रत्येक कृषक भूमि स्वामी को यूनिक आईडी प्रदान की जाती है, जिससे किसानों को समस्त शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके। उल्लेखनीय है कि जिले की सभी तहसील में कुल 3 लाख 11 हजार 247 कृषक भू-स्वामी है, इनमें से 95 हजार 392 किसानों का पंजीयन कार्य पूर्ण हो चूका है। 2 लाख 15 हजार 855 कृषक भू-स्वामियों के पंजीयन शेष है, जिसको पूर्ण करने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए है कि सभी भू-धारी किसानों हेतु फार्मर आईडी बनायी जाए। पंजीकृत किसानों की समस्त भूमियों को फार्मर आईडी से जोड़ा जाए।

गैस टंकी फटी, गैस लाइन तक आग पहुंचने से पहले ही पुलिस ने बुझाई, एक व्यक्ति झुलसा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस की सक्रियता ने एक बड़ा हादसा होने से बचा लिया। सुबह जब पुलिस की टीम प्रभात गश्त पर थी, तभी थाना लसूड़िया क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एमआर-3 रोड पर एक गैस टंकी में आग लगने की आपातकालीन सूचना प्राप्त हुई। जानकारी मिली की एक व्यक्ति झुलस गया है और जहां टंकी में आग लगी है वहीं पर पास ही गैस की लाइन भी जा रही है। जैसे ही गैस टंकी में आग लगने की खबर फैली, पूरे क्षेत्र में भगदड़ और भय का वातावरण बन गया। घटना स्थल के समीप सघन रहवासी बस्ती होने और वहां से गैस पाइपलाइन गुजरने के कारण स्थानीय लोग बेहद डरे हुए थे। लोगों को इस बात का डर सता रहा था कि यदि टंकी में विस्फोट हुआ तो यह एक बड़ी त्रासदी का रूप ले सकता है। मौके पर मौजूद भीड़ और संभावित खतरे को देखते हुए स्थिति काफी तनावपूर्ण हो गई थी।

सूचना मिलते ही गश्त पर तैनात एसीपी हीरानगर रूबीना मिजवानी, लसूड़िया एवं विजय नगर की एफआरवी और बीट महालक्ष्मी नगर के जवान बिना किसी देरी के घटना स्थल पर पहुंचे। एसीपी ने हालात का जायजा लेते हुए तुरंत आग पर काबू पाने के निर्देश दिए। पुलिस के जवानों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया और संसाधनों का सही उपयोग करते हुए जलती हुई गैस टंकी पर नियंत्रण पाया।

गैस लाइन तक आग पहुंचने से पहले ही बुझा दी गई - प्राप्त जानकारी के अनुसार, एमआर-3 रोड सनसिटी के पास स्थित एक खाली प्लॉट पर बनी गुमटी के पास रखी टंकी में यह आग लगी थी। इस दुर्घटना में सरस्वती नगर निवासी 50 वर्षीय भगवान सिंह पिता समर सिंह आंशिक रूप से झुलस गए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल रवाना किया। पुलिस की इस सक्रियता के कारण आग को अन्य सिलेंडरों या गैस लाइन तक फैलने से पहले ही बुझा दिया गया। स्थानीय नागरिकों ने जताया आभार- पुलिस की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बहुत बड़ा हादसा टल गया, जिससे आसपास के रहवासियों ने राहत की सांस ली।

क्षेत्र के नागरिकों ने पुलिस अधिकारियों और जवानों की तुरंत कार्रवाई की प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि यदि पुलिस बल मौके पर तुरंत न पहुंचता, तो स्थिति अत्यंत भयावह हो सकती थी।

शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और नागरिक सुरक्षा पर फोकस

टीएल बैठक में कलेक्टर शिवम वर्मा ने दिए सख्त निर्देश, लापरवाह अधिकारियों पर वेतन कटौती की कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज यहां समय-सीमा पत्रों (टीएल) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार, श्री रोशन राय, नगर निगम के अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, श्री एन.एन. पांडे, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशों के अनुरूप शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों के समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण तथा सकारात्मक निराकरण पर विशेष ध्यान देंवे। उन्होंने बताया कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज संपन्न हुई बैठक में रेंडम रूप से सीएम हेल्पलाइन के तहत लंबित पांच प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। निराकरण में लापरवाही पाए जाने पर कुछ अधिकारियों के वेतन काटने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, जनगणना कार्य, सीएम हेल्पलाइन तथा विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है।

फायर सेफ्टी नियमों के पालन में लापरवाही पर होगी कठोर कार्रवाई- कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि जी प्लस थ्री व्यावसायिक भवनों में फायर सेफ्टी उपकरण, फायर एग्जिट प्लान एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन द्वारा गठित दलों द्वारा लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं। जिन भवनों में आवश्यक सुरक्षा इंतजाम नहीं पाए गए, उन्हें सील किया गया है तथा वैधानिक कार्रवाई भी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ भवन संचालकों द्वारा निर्धारित समय-सीमा में व्यवस्थाएं पूर्ण करने का शपथ पत्र देने पर राहत दी गई है, लेकिन उनकी सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में ऐसे भवनों की पहचान कर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

बाधारहित वातावरण निर्माण अभियान जारी- बैठक में बताया गया कि सुगम्य भारत अभियान के तहत दिव्यांग जनों को बाधा रहित वातावरण और उनके लिए जरूरी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत वर्तमान में सार्वजनिक स्थलों और भवनों की जांच की जा रही है। जांच के दौरान कई स्थानों पर दिव्यांगजन सुविधाओं में कमी पाई गई। पाई गई कमियों को दूर कराया जा रहा है। अब तक लगभग 200 से अधिक भवनों की जांच की जा चुकी है। भवनों का सर्वे लगातार जारी है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि अधिकांश भवनों में रैम्प तो बने हैं, लेकिन रेलिंग, साइनेज एवं दिव्यांगजनों की सुगम आवाजाही से संबंधित व्यवस्थाओं का अभाव पाया गया है। प्रशासन का उद्देश्य सभी शासकीय भवनों को बाधारहित बनाना है ताकि दिव्यांगजन बिना किसी असुविधा के अपने कार्य कर सकें।

जनगणना में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का सम्मान- बैठक में बताया गया कि जिले में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य तेजी से जारी है। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा की गई। जनगणना कार्य में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। देपालपुर नगर परिषद की सीएमओ सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रगणकों को समय-सीमा से पूर्व गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि कई कर्मचारियों ने विषम परिस्थितियों में भी समर्पण और मेहनत से कार्य कर दूसरों के लिए प्रेरणा प्रस्तुत की है।

शराब दुकानों एवं ढाबों पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान- कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि शराब दुकानों के आसपास स्वच्छता बनाए रखने एवं अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासन द्वारा लगातार निरीक्षण किए जा रहे हैं तथा गंदगी, अवैध गतिविधियों एवं अवैध शराब बिक्री पाए जाने पर सख्त कार्रवाई और जुर्माना लगाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दुकानों पर साफ-सफाई, शौचालय व्यवस्था तथा गंदे पानी की निकासी जैसी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खाद्य सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी- गर्मी के मौसम को देखते हुए कुल्फी, आइसक्रीम, बर्फ एवं अन्य खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले संस्थानों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि मिलावटखोरी एवं अस्वच्छ परिस्थितियों में खाद्य निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है और आगे भी सख्ती जारी रहेगी।

ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों की भी हुई समीक्षा- कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने बैठक में इंदौर जिले में यातायात सुधार के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने विशेष रूप से ब्लैक स्पॉट सुधार कार्यों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि चिन्हित ब्लैक स्पॉट का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा वहां आवश्यक सुधार कार्य सतत रूप से जारी रखें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि दुर्घटना संभावित स्थलों पर प्रभावी व्यवस्थाएं रहें और किसी भी प्रकार की घटना अथवा दुर्घटना की संभावना को न्यूनतम किया जा सके।

अंगदान और देहदान में सामाजिक सहभागिता व जागरूकता के लिए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स करेंगे कार्य

संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अंगदान की बताई प्रक्रिया और जीवनदान देने वाले सुनाये नायाब किस्से

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज अंगदान और देहदान के प्रति सामाजिक सहभागिता और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से इंदौर के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स की बैठक आयोजित की गई। संभागायुक्त कार्यालय में आयोजित इस बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर जिले में अंगदान और देहदान के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त दी। साथ ही उन्होंने इंदौर में इस क्षेत्र में अब तक हुए कार्यों और पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने इन्फ्लुएंशर्स से इस क्षेत्र में कैसे जागरूकता लायी जाए तथा समाज की शंकाओं को दूर करने में भूमिका निभाने को कहा। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने इंदौर में हुए अंगदान के संबंध में कई रौचक और नायब कहानियाँ भी बताई। कैसे किसी परिवार के सदस्यों से अंगदान कराया जाता है और उस परिवार में खुशी छा जाती है?

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि अंगदान और देहदान एक पवित्र और पुण्य का कार्य है। इस कार्य से लोगों को नया जीवन मिलता है और समाज में बड़ा बदलाव आता है। चैन्नई, बैंगलुरू आदि दक्षिण भारत के शहरों में आज सबसे अधिक देहदान और अंगदान हो रहे हैं, जो गर्व की बात है। मध्यप्रदेश में इंदौर जिले में सबसे अधिक अंगदान और देहदान हो रहे हैं। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि मध्यप्रदेश में यहाँ एयर एम्बुलेंस की सुविधा भी है, जिससे अंगदान में भी उपयोगी है। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने बताया कि अंगदान करने वाले परिजनों को गॉड ऑफ ऑनर की शुरूआत करने के बाद अंगदान के मामले 25 प्रतिशत से अधिक बढ़े है। अधिकांश लोग अंधविश्वास और डर के चलते अंगदान और देहदान करने में हिचकिचाते हैं, ऐसे लोगों की मानसिकता सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स के माध्यम से बदली जा सकती है।

बैठक में मुस्कान ग्रुप के श्री संदीपन आर्य ने बताया कि अंगदान के लिए इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर सबसे पहले वर्ष 2015 में बना था। अभी तक 67 बार ग्रीन कॉरिडोर बन चुके है। त्वचा दान के मामले में इंदौर देश में दूसरे स्थान पर है। वर्ष 2024 में 2237 नेत्रदान हुए, जो 2025 में बढ़कर यह संख्या 2748 हो गई। इंदौर में तीन आई बैंक है। वर्ष 2024 में इंदौर में अंगदान की 135 अनुमति जारी की, जो 2025 में बढ़कर 202 हो गई। मृत्यु के पूर्व व्यक्ति लीवर, किडनी, बोनमेरो और रक्त दान कर सकता है। हृदय गति रूक जाने पर मरीज की आँख, त्वचा, हड्डी और हार्टवॉल्व का दान किया जा सकता है। ब्रेन डेड घोषित होने पर मृत व्यक्ति के हृदय, फेफड़े और लीवर, किड़नी, पैनक्रियाज, छोटी आँत, हाथ, बौन और हार्टवॉल्व आदि अंगों का दान किया जा सकता है। बताया गया कि इंदौर में दो बार हाथ दान किए गए, जिसमें से एक हाथ इंदौर के युवा इंजीनियर को लगाया गया। जबकि दूसरा हाथ गुजरात के नवसारी जिले में एक 19 वर्षीय लड़की को लगाया गया।

बैठक में अंगदान समिति के डॉ. मनीष पुरोहित, सुश्री निधि शर्मा, प्रभारी संयुक्त संचालक डॉ. पुष्पेन्द्र वास्कले सहित शहर के करीब 15 सोशल मीडिया इन्फ्लुएंशर्स उपस्थित रहें।

जिले के नशा मुक्ति अभियान का अभिन्न अंग होगा तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम : मासिक होगी समीक्षा बैठक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक आज सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने की। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत एवं जिला नोडल अधिकारी (तम्बाकू नियंत्रण) श्री सिद्धार्थ जैन तथा अपर कलेक्टर श्री रोशन राय भी उपस्थित रहे। बैठक में राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम तथा सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम (COTPA-2003) के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में COTPA-2003 की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत जिले में कानून के परिपालन पर विशेष बल दिया गया। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि बच्चों, किशोरों और युवाओं को तम्बाकू के दुष्प्रभावों से बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में सभी विभाग मिलकर कार्य करें। बैठक में मध्य प्रदेश वालंट्री हेल्थ एसोसिएशन इंदौर के कार्यकारी निदेशक एवं जिला स्तरीय तम्बाकू नियंत्रण समन्वय समिति के सदस्य श्री मुकेश कुमार सिन्हा द्वारा जिले में तम्बाकू नियंत्रण की स्थिति, तम्बाकू सेवन के स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं आर्थिक दुष्प्रभावों, तथा कानूनी प्रावधानों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

इंदौर में 25 मई को कलेक्ट्रेट में वृद्धजनों के लिए विशेष शिविर आयोजित होगा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वृद्धजनों की समस्याओं के त्वरित निराकरण और उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आगामी 25 मई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। यह शिविर जनसुनवाई के दौरान वृद्धजनों से लगातार प्राप्त हो रही समस्याओं के मद्देनजर आयोजित किया जा रहा है। शिविर सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज इस शिविर आयोजन की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए की शिविर का प्रभावी और परिणाम मूलक आयोजन हो और अधिक से अधिक वृद्धजनों को इस शिविर का लाभ मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस शिविर में सभी एसडीएम अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। बताया गया कि जनसुनवाई में बड़ी संख्या में वृद्धजन अपनी समस्याएं लेकर पहुंचते हैं, जिनमें पारिवारिक विवाद, भरण-पोषण संबंधी प्रकरण और सामाजिक उपेक्षा जैसे विषय प्रमुख रूप से सामने आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष फोकस के साथ यह शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में भरण-पोषण अधिनियम के तहत आने वाले मामलों का निराकरण किया जाएगा। साथ ही यदि किसी वृद्धजन का पारिवारिक विवाद मध्यस्थता के माध्यम से सुलझाया जा सकता है, तो उसके लिए भी विशेष व्यवस्था रहेगी। प्रशासन का प्रयास रहेगा कि संबंधित परिवारजनों और बच्चों को भी बुलाया जाए, ताकि माता-पिता के सम्मान और सामाजिक मूल्यों को ध्यान में रखते हुए सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सके। शिविर में वृद्धजनों की पेंशन संबंधी समस्याओं के निराकरण के साथ स्वास्थ्य परीक्षण हेतु हेल्थ कैंप भी आयोजित किया जाएगा। प्रशासन का उद्देश्य है कि वृद्धजनों को एक ही छत के नीचे विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा सके।

आज मैदान में युवा सोच, स्पष्ट विजन और अधिवक्ताओं की मज़बूत आवाज़ एडवोकेट तनुज दीक्षित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद चुनाव 2026 के लिए आज मंगलवार को प्रदेशभर में मतदान हो रहा है। इस चुनाव में लगभग 86 हजार अधिवक्ता मतदाता अपने प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। इसी क्रम में अधिवक्ता एडवोकेट तनुज दीक्षित भी चुनाव मैदान में हैं, जो मतपत्र पर सीरियल क्रमांक 115 से चुनाव लड़ रहे हैं।

अधिवक्ताओं के बीच लगातार सक्रिय संवाद, आधुनिक सोच और अधिवक्ता हितों से जुड़े स्पष्ट विजन के कारण तनुज दीक्षित का नाम प्रदेशभर में तेजी से चर्चा में बना हुआ है। उनका कहना है कि यह चुनाव केवल परिषद में सदस्य चुनने का नहीं, बल्कि अधिवक्ताओं के भविष्य, सम्मान, सुरक्षा और अधिकारों की मज़बूत आवाज़ तय करने का अवसर है।

तनुज दीक्षित ने अपने ÷विजन कार्ड÷ और ÷वचन पत्र÷ के माध्यम से कई महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया है। इनमें अधिवक्ताओं के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा एवं मेडिकल सहायता योजना, अधिवक्ता सुरक्षा कानून की दिशा में प्रभावी पहल के साथ एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू हेतु मजबूत प्रयास, युवा अधिवक्ताओं के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु आसान लोन की सुविधा, अधिवक्ताओं के परिवारों के लिए बेहतर सहायता व्यवस्था, पहली बार महिला अधिवक्ताओं हेतु मातृत्व सहयोग निधि, समूह बीमा योजना, न्यायालयों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार और लंबित न्यायिक पदों को शीघ्र भरने जैसे विषय प्रमुख हैं।

इसके साथ ही उन्होंने अधिवक्ताओं के लिए आवासीय योजनाओं, सहकारी संस्थाओं में प्राथमिकता, ह्यात्रा सुविधाओं एवं रेल्वे में कोटा आरक्षित करने जैसे प्रभावी पहल तथा वर्षों तक सेवाएं देने वाले अधिवक्ताओं के सम्मान हेतु विशेष सहायता राशि जैसे विषयों को अपने एजेंडे में शामिल किया है।

प्रदेशभर के कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं, बार पदाधिकारियों एवं युवा वकीलों का पूर्ण समर्थन मिलने के बाद चुनावी माहौल में तनुज दीक्षित को एक मजबूत और उभरती हुई आवाज़ के रूप में देखा जा रहा है।

उन्होंने मतदाताओं से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि परिषद में वही प्रतिनिधि पहुँचना चाहिए जो केवल चुनाव के समय नहीं, बल्कि हर परिस्थिति में अधिवक्ताओं के अधिकारों और सम्मान के लिए मजबूती से खड़ा रहे।

उन्होंने सभी अधिवक्ताओं से आज मतदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने एवं मतपत्र पर सीरियल क्रमांक 115 पर प्रथम वरीयता (01) का मत देने की अपील की।

दो धर्म, एक पथ- सड़क का एक छोर आचार्य शांतिसागर और दूसरा छोर सैयदना साहब के नाम पर होगाः नपाध्यक्ष की सक्रियता से विवाद से पहले समाधान

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में दो समाजों के बीच एक सड़क के नामकरण का छोटा सा मुद्दा जो यूँ तो देश के ज्वलंत हालातों के मद्देनजर विवाद का बड़ा कारण बन सकता था, लेकिन नीमच में यह मुद्दा वजह बना दो समाजों को और परस्पर करीब लाने और सद्भाव प्रदर्शन का। पिछले दिनों जैन समाज के आवेदन पर नीमच नगर पालिका द्वारा बोहरा बाजार की बाहरी सड़क का नामकरण आचार्य शांतिसागर के नाम पर करने का निर्णय लिया गया। रविवार को लोकार्पण की तैयारियों और आचार्य शांतिसागर मार्ग का बोर्ड लगाए जाने की खबर जैसे ही बोहरा समाज के पदाधिकारियों को लगी तो समाज में खलबली मच गई। कारण यह कि इस मार्ग का नामकरण 2004 से ही बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन के नाम से किया जा चुका है।

विवाद की आशंका और पुरानी स्मृतियाँ- 10 मई, रविवार को 'आचार्य शांतिसागर मार्ग' नाम से इस मार्ग का लोकार्पण तय किया गया । मुनिदेव वैराग्य सागर जी और सुप्रभ सागर जी के सानिध्य में प्रातः 9 बजे आयोजन होना था। जानकारे मिलने पर बोहरा समाज का एक प्रतिनिधिमंडल नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा और सीएमओ दुर्गा बामनिया से मिला और आपत्ति दर्ज करवाई कि मार्ग का नाम तो पहले से सैयदना साहब के नाम पर है। लोकार्पण से ठीक एक दिन पहले सामने आई इस विसंगति के चलते आनन-फानन में नगर पालिका द्वारा फाइलें खंगाली गई तो सैयदना साहब के नाम पर नामकरण का कोई संकल्प नहीं मिल पाया। एक शिलालेख के बारे में जरूर बोहरा समाज द्वारा जानकारी नपाध्यक्ष को दी गई। और यह शिलालेख बाकायदा इस सड़क के किनारे दानागली से कमल चौक के छोर पर स्थित है। जिस पर अंकित है कि डॉ. सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन साहेब मार्ग का नामकरण 08-06-2004 को विधायक दिलीप सिंह परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह चौरड़िया और पार्षद हुशामुद्दीन डेरकी की उपस्थिति में हुआ।

तत्परता और संवाद से निकला समाधान- जानकारी में आते ही लगा कि कोई बखेड़ा न खड़ा हो जाए या कोई धार्मिक विवाद न हो जाए। इस बीच दोनों समाजों में भ्रम की स्थिति बनने लगी थी, लेकिन नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा और भाजपा नेता संतोष चोपड़ा ने तत्परता दिखाते हुए दोनों समाजों के वरिष्ठजनों की बैठक आयोजित की। सकारात्मक संवाद और आपसी सम्मान के वातावरण में कुछ ही मिनटों में समाधान निकल आया। साथ ही बोहरा समाज के प्रतिनिधियों को भी आज के लोकार्पण कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया।

समरसता का नया अध्याय- एक सड़क, दो नाम- मुनिदेव वैराग्य सागर जी और सुप्रभ सागर जी के समक्ष जब तत्कालीन पार्षद और वर्तमान सचिव हुशामुद्दीन डेरकी के साथ बोहरा समाज के प्रतिनिधि जैन समाज के कार्यक्रम में पहुँचे तो नपाध्यक्ष स्वाति चोपड़ा द्वारा विधायक दिलीप सिंह परिहार व दोनों समाज जनों की उपस्थिति में प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव यह कि इस नई सड़क का दानागली से कमल चौक तक का छोर बोहरा धर्मगुरु डॉ.सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन के नाम से जाना जाएगा और दानागली से पापुलर स्टूडियो तक का दूसरा छोर संत श्री आचार्य शांतिसागर के नाम से जाना जाएगा। कुछ मंत्रणा के बाद और मुनिद्वय की अनुमोदना पश्चात दोनों ही पक्ष सहर्ष इस प्रस्ताव पर राजी हो गए। नवनिर्मित आचार्य शांति सागर मार्ग की सड़क का लोकार्पण मौली बंधन खोलकर, लाल पर्दा हटाकर अतिथियों एवं समाज जनों द्वारा किया गया। इस तरह एक बड़ा मुद्दा जो दो समाजों के बीच विवाद का कारण बन सकता था उसे दोनों पक्षों द्वारा बड़ा दिल रखकर समरसता से सद्भावना पूर्वक सुलझा लिया गया।

जब गूँजे जयकारे और आशीर्वाद को उठे हाथ - इस समय बोहरा समाज के जो प्रतिनिधि पहुँचे उन्होंने मुनि वैराग्य सागर जी और सुप्रभ सागर जी महाराज जी के हाथ जोड़कर गुरुओं की जयघोष लगाकर आशीर्वाद ग्रहण किया और सामाजिक सद्भावना और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। जैन समाज जनों ने भी बोहरा समाज के लोगों का मोती माला और जिन शासन का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। इस अवसर पर मुल्ला खोजेमा भाई शामगढ़, मुल्ला मोहम्मद भाई ऑनेस्ट, शब्बीर रंगवाला, असगर भाई हवेली वाला, मोइज भाई बाल्टी वाला, हुसेनी भाई डेरकी, हुसेनी भाई गार्ड, अली हुसैन जावद वाला और अब्बास भाई प्रिंस सहित अन्य उपस्थित रहे।

साथ ही कार्यक्रम में दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष विजय विनायका, समाजसेवी संतोष चोपड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि गौरव चोपड़ा, कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र सेठी, राकेश जैन, पूर्व पार्षद विनीत पाटनी, पार्षद शारदा पाटनी, उपाध्यक्ष जयकुमार बज, बंटी जितेंद्र जैन, सुरेश आज़ाद जैन, मनोज विनायका, विशाल विनायका, अजय कासलीवाल, विजय जैन लाडी, प्रदीप विनायका, आशीष विनायका चिंटू, अतुल जैन, परेश सालगिया, नंदू सर्राफ, प्रमोद गोधा, परीक्षित टिंचू जैन, शशि विनायका, आभा विनायका, अंकुश गोधा, निर्मल जैन, भागचंद जैन, राजेंद्र सोनी, संजय जैन ब्रदर्स, तुषार लालका, सुनील बांकलीवाल, विमल सरावगी सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

समाज के प्रबुद्धजनों ने सराहा आपसी तालमेल- जानकारी के अभाव में यह स्थिति बनी थी, लेकिन दोनों समाजों के धर्मगुरुओं का संदेश हमेशा शांति और सद्भाव का रहा है। इसी भावना के साथ नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति गौरव चोपड़ा, भाजपा नेता संतोष चोपड़ा और जैन समाज के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर विवाद को तुरंत समाप्त कर दिया गया - हुशामुद्दीन डेरकी, सेक्रेटरी बोहरा समाज

आयोजन से ठीक पहले पुराने नामकरण की जानकारी मिली थी, लेकिन दोनों समाजों ने परिपक्वता दिखाते हुए विवाद को बढ़ाने के बजाय आपसी सहमति से हल निकालकर शहर को सामाजिक सौहार्द की नई मिसाल दी। - विजय जैन विनायका, जैन समाज अध्यक्ष

नगर पालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा की सक्रिय भूमिका और संतुलित प्रयासों से इस संवेदनशील मामले का शांतिपूर्ण पटाक्षेप हो गया। पूरे घटनाक्रम ने यह साबित कर दिया कि संवाद, सम्मान और समझदारी से किसी भी विवाद का समाधान निकाला जा सकता है। नीमच शहर में इस निर्णय और दोनों समाजों की परिपक्वता की हर स्तर पर प्रशंसा हो रही है।

सभी नगरीय निकाय फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस एवं अन्य व्हीकल को ठीक करवाए : कलेक्टर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिती गर्ग की अध्यक्षता में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक सुशासन भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर एकता जायसवाल, जिला अधिकारी मौजूद थे। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी नगरीय निकायों में फायर एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड एवं अन्य आवश्यक वाहनों को दुरुस्त स्थिति में रखा जाए। ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित किया जाए। जहां भी पेयजल संबंधी समस्या उत्पन्न हो, उसका तत्काल समाधान किया जाए। सभी सीएमओ को निर्देश दिए गए कि जल स्त्रोतों की नियमित पानी की जांच करवाई जाए तथा पानी चोरी की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की जाए।

कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए बारदानों की उपलब्धता एवं मंडी दरों की जानकारी ली। नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे नियमित रूप से फील्ड भ्रमण कर उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण करें तथा किसानों को भुगतान में किसी प्रकार की देरी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नवीन जल संरचनाओं को चिन्हित कर उनके निर्माण कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समय पर ऑनलाइन एंट्री सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में संबल अनुग्रह सहायता, संबल पंजीयन एवं भूमि आवंटन प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए गए कि फायर एनओसी संबंधी कार्यवाही शीघ्र पूर्ण करें। इसके अतिरिक्त सभी नगरीय निकायों को निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।

प्रधानमंत्री की सोना न खरीदने की अपील के विरोध में कांग्रेस आज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बिना किसी कारण देश की जनता से सोना न खरीदने की जो अपील की गई है, उसके विरोध में कांग्रेसजन कल 12 मई मंगलवार को शाम 5ः00 बजे घंटाघर क्षेत्र में सर्राफा व्यापारियों से जन-संवाद कार्यक्रम करेंगी। इस जनसंवाद के माध्यम से कांग्रेसजन सर्राफा व्यापारियों एवं सर्राफा शिल्पकार साथियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा करेंगे। जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह अतार्किक अपील सीधे तौर पर सर्राफा व्यवसाय की कमर तोड़ने वाली और छोटे कारीगरों के पेट पर लात मारने जैसी है।

पहले ही सोने के बढ़ते दामों की वजह से बाजार में मंदी का माहौल है, ऐसे में इस तरह के बयान व्यापार पर सीधा प्रहार हैं। इस संवाद के माध्यम से कांग्रेस पार्टी केंद्र सरकार की गलत आर्थिक नीतियों की असलियत भी जनता के सामने रखेगी। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन छोटे कारीगरों और मजदूरों को उठाना पड़ेगा जिनकी रोजी-रोटी इसी हुनर पर टिकी है। इस बयान से लाखों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है।

बाहेती ने आगे कहा कि मोदी के इस बयान से पूरे देश में विरोध हो रहा है। व्यापारियों में इस बात को लेकर गहरा गुस्सा है कि प्रधानमंत्री मोदी के इस बयान के बाद कई शहरों में सर्राफा व्यवसाय द्वारा विरोध शुरू हो गया है और शेयर बाजार में ज्वेलरी कंपनियों के शेयर 5 से 11 प्रतिशत तक गिर गए हैं। कांग्रेस ने कहा की यदि सरकार चाहती है कि लोग सोना न खरीदें, तो उसे सर्राफा कारोबार को बचाने के लिए जीएसटी में बड़ी राहत और अन्य आर्थिक पैकेज देने चाहिए।

मातृशक्ति दुसरों की चिंता छोड़ स्वयं की आत्मा में ध्यान दे तो आत्मा शांति का मार्ग मिल सकता है- वैराग्य सागर महाराज

दिगंबर जैन समाज द्वारा रथ यात्रा एवं सम्मान समारोह आज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मातृशक्ति को ग्रहस्थ परिवार में रहते हुए संयम नियम का पालन व सामायिक तपस्या को जीवन में आत्मसात करना चाहिए। सभी परिवार जनों के प्रति समता भाव रखना चाहिए। मातृशक्ति को यदि परिवार में सच्चा सुख चाहिए तो दूसरों की चिंता छोड़कर स्वयं की आत्मा में ध्यान देना चाहिए तभी आत्म कल्याण और आत्म शांति का मार्ग मिल सकता है। परिवार जनों के प्रति कर्तव्य का भाव रखना चाहिए लेकिन मोह का भाव नहीं रहना चाहिए। परिवार जनों को स्वयं आत्मनिर्भर बनकर अपने स्तर पर आगे बढ़ने देना चाहिए। उन्हें बार-बार मार्गदर्शन देने के लिए टोकना नहीं चाहिए इससे ग्रह शांति पर प्रभाव पड़ता है। मातृशक्ति संसार को बदलना चाहती है लेकिन वास्तविकता की सच्चाई है कि मातृ शक्ति को स्वयं में परिवर्तन लाना चाहिए तभी उन्हें आत्म शांति मिल सकती है।

यह बात वैराग्य सागर जी महाराज ने कहीं। वे दिगंबर जैन समाज नीमच द्वारा पुस्तक बाजार में नवनिर्मित संत आवास के लोकार्पण के निमित्त दिगंबर जैन मंदिर सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समाज जनों को संबोधित करते हुए बोल रहे थे । उन्होंने कहा कि मातृशक्ति को महल झोपड़ी और जंगल सभी के प्रति ममता भाव नहीं उपेक्षा भाव रखना चाहिए। घर परिवार में महिलाएं प्रसन्न भाव से भोजन का निर्माण करें स्वयं भी प्रसाद ग्रहण करें और परिवारजनों को भी प्रसाद के रूप में वितरण करें तो घर में सुख शांति और अधिक रहेगी। कई बार महिलाएं दूसरों को शिक्षा देने के कारण स्वयं तथा परिवार का तनाव बढ़ा देती है। महिलाओं को चाहिए कि स्वयं नवकार मंत्र का जाप सामायिक तप साधना करें और स्वयं भी प्रसन्न रहे हैं और परिवारजनों को भी प्रसन्न रहने के लिए प्रेरित करें। घरों में दादी पोते की, सास बहू की व्यर्थ चिंता नहीं करें, कर्तव्य भाव का निर्वहन अवश्य करें। महानगरों में पढ़े-लिखे उच्च शिक्षित रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर लड़के रात्रि भोजन का त्याग कर धार्मिक संस्कारों का पालन करें तो भी उनका विवाह होने में परेशानी सामने आ रही है चिंतन का विषय है।

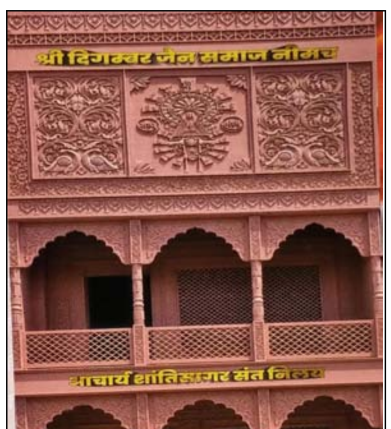

मुनी संत सुप्रभ सागर जी महाराज ने कहा कि- दुष्ट लोगों की दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही खराब होती है इससे सदैव दूर रहना चाहिए। दुष्ट व्यक्ति के सामने सदैव मोन रहना चाहिए उन्हें हम अच्छी बात भी बताएंगे तो उसमें भी वह विपरीत बुराई ही निकालेंगे। लंका पति रावण ने नल कुबेर के चक्र से युद्ध जीतने के लिए उनकी स्त्री से कहा कि वे उन्हें लोकपाल चक्र को तोड़ने का रहस्य बता दे तो वह उनसे महल में सम्मान पूर्वक भेंट करेंगे। रावण को नल कुबेर की स्त्री ने विद्या बल के कोट को तोड़ने की तकनीक बता दी और तब उस स्त्री ने कहां की आप अपना वचन निभाए तब रावण ने कहा कि आपने मुझे चक्र कोट तोड़ने की विद्या का ज्ञान दिया है इसलिए आप गुरु मां के समान है और गुरु मां से मिलन करना अनुचित है। रावण ने एक और स्त्री की मर्यादा का पालन किया वहीं दूसरी ओर सीता के मोह में स्वयं का विनाश करवा लिया था। रावण ने जब भी राम के परिधान में सीता से वार्ता करना चाही तो राम के संस्कारों के कारण में बात ही नहीं कर पाए क्योंकि उन्हें राम जैसे संस्कार आ गए थे। इसलिए पर स्त्री की उपेक्षा अनादर का भाव जीवन में सदैव रखना चाहिए तभी आत्म कल्याण का मार्ग मिल सकता है। पराए धन संपत्ति भूमि पर कभी भी लालच नहीं करना चाहिए पराया धन हमारे धन को भी ले जाता है और हमें अंतोंगत्वा नुकसान ही उठाना पड़ता है। पराई स्त्री, पराया धन और पराई भूमि पर कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। सदैव त्याग करना चाहिए तभी हमारा आत्म कल्याण हो सकता है। मीडिया प्रभारी अमन विनायका आने बताया कि आज मंगलवार सुबह 7 बजे रथ यात्रा निकलेगी और उसके बाद दिगंबर जैन मांगलिक भवन में धर्म लाभार्थी परिवार जनों का सम्मान किया जाएगा। धर्म सभा कार्यक्रम का शुभारंभ नवीन विनायका ने सोना चांदी छोड़ के गुरुवर आप हो गए निहाल, धन वाले हो गए कंगाल... गीत प्रस्तुत कर मंगलाचरण से किया।

ग्राम मजेसरा में प्रभु द्वारकाधीश की प्राण प्रतिष्ठा के साथ कलश स्थापित हुआ

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम मजेसरा में पीढ़ियों से भगवान द्वारकाधीश विराजमान थे, तब कच्चे मंदिर एवं छोटी सी जगह थी। जब छोटा मंदिर बना था, तब आम जनसहयोग एवं तत्कालीन विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया गांव मजेसरा पहुंचे थे। तब ग्रामवासियों ने मंदिर की स्तिथि से अवगत कराया, तत्समय विधायक श्री सिसौदिया ने घोषणा की थी कि वे इस मंदिर के निर्माण के लिए तथा राधाकृष्ण मंदिर के लिए मरम्मत कार्य शासन की ओर से करवाएंगे। कुछ समय बाद तत्समय विधायक सिसौदिया ने राधाकृष्ण मंदिर के लिए 2.70 लाख की राशि और द्वारकाधीश मंदिर के लिए 10 लाख की राशि शासन से मंजूर करवाई। अब तक 6 लाख की राशि ग्रामीणों ने जनसहयोग से एकत्र की है। इस तरह दोनों मंदिर बनकर तैयार हुए। द्वारकाधीश मंदिर की जगह कम होने से कुछ भूमि प्रेमसिंहजी सिसौदिया द्वारा दान की गई थी। जिससे मंदिर का स्वरूप बड़ा हो गया। इस प्रकार विधायकजी एवं ग्रामीणों के प्रयास से पांच दिवसीय हवन यज्ञ भी किया गया। इस तरह दिनांक 10 मई 2026 को द्वारकाधीश मंदिर में प्रभु द्वारकाधीश की मूर्ति स्वरूप प्राण प्रतिष्ठा की गई। इसके साथ ही द्वारकाधीश मंदिर पर कलश स्थापना का भव्य आयोजन रावले महीध्वज सिंह जी सिसौदिया एवं समस्त ग्रामवासियों की ओर से रखा गया। प्रभु प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा के पश्चात भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ, जो सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में राजस्थान के झांसडी से पंडितजी एवं आचार्यजी पधारे एवं विधि विधान से कार्यक्रम सम्पन्न कराया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया को भी आमंत्रित किया गया, जिनका ग्रामवासी एवं रावले साहब द्वारा स्वागत, सत्कार किया गया। आज भगवान अपने भव्य महल रूपी मंदिर में विराजमान हैं।

सिंगोली में निकली भव्य कलश शोभायात्रा

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वीर तेजाजी चौक स्थित नवनिर्मित श्री राम जानकी श्रीयादे माँ मंदिर में चल रहे पंच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत सोमवार को नगर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। प्रातः 9ः15 बजे मंदिर प्रांगण से बैंड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और डीजे की धुन पर शुरू हुई शोभायात्रा बजरंग व्यायाम शाला पहुंची जहाँ 251 महिलाओं ने सिर पर मंगल कलश धारण कर नगर भ्रमण किया। बजरंग व्यायाम शाला से प्रारंभ होकर कलश शोभा यात्रा बस स्टैंड, महाराणा प्रताप चौक,बापू बाजार, चौधरी चौक, होते हुए पुनः मंदिर प्रांगण पहुंची। मार्ग में महाराणा प्रताप चौक सहित जगह-जगह व्यापारियों एवं समाजजनों ने पुष्पवर्षा कर कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया एवं शोभायात्रा में शामिल महिला पुरुषों बच्चों के ठण्डे जल का जलपान कराया 'जय श्री राम', 'जय श्रीयादे माँ' के गगनभेदी जयकारों से पूरा नगर धर्ममय हो गया। शोभायात्रा में शामिल 251 महिलाएं लाल,पीले परिधान में सिर पर कलश लिए चल रही थी सबसे आगे घोड़े पर सवार ध्वज वाहक, उसके पीछे बैंड पार्टी और भजन मंडलियां भजनों की प्रस्तुति देते चल रही थीं। युवाओं की टोली केसरिया ध्वज लेकर 'जय श्री राम' के नारे लगा भजनों पर नृत्य करते चल रही थी

आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि अखिल भारतीय प्रजापत समाज के तत्वावधान में 10 मई से 14 मई तक चल रहे इस महोत्सव का आज दूसरा दिन था। कलश स्थापना के साथ ही वेदी पूजन एवं पंच कुण्डात्मक यज्ञ का शुभारंभ भी किया गया। 12 मई को रात्रि 8ः30 बजे प्रसिद्ध भजन गायक बालकृष्ण प्रजापति व नरेश प्रजापति की भजन संध्या होगी 14 मई गुरुवार को दोपहर 12ः15 बजे मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, शिखर कलशारोहण एवं पूर्णाहुति के पश्चात महाआरती होगी। दोपहर 1 बजे से देर शाम तक महाप्रसादी का आयोजन किया जाएगा। मध्यप्रदेश एवं राजस्थान आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाजबंधु शोभायात्रा में शामिल होने पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

धोखाधड़ी : ओंकारेश्वर ले गए पूजा करने, यहां मरने का नाटक कर वसूले 7 लाख 70 हजार

अफजलपुर पुलिस द्वारा नोटों की बारिश कर धन दोगुना करने वाले गिरोह पर्दाफाश किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अफजलपुर थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय एवं उनकी टीम ने नोटों की बारिश कर धन दोगुना करने का झांसा देकर धोखाधडी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं।

घटना अनुसार 20 अप्रैल को आवेदक वर्दीचन्द्र पिता गोपाल किर निवासी नंदावता के द्वारा थाना अफजलपुर पर उपस्थित होकर एक आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट किया था। बताया कि करीब 07-08 माह पूर्व एक व्यक्ति ने खुद को अमर सिंह निवासी शामगढ का बताकर उसे एक गुरुजी के द्वारा नोटों की बारिश करवा कर पैसा दोगुना किया जाता है, के संबंध में प्रलोभन दिया। जिसके कारण फरियादी प्रलोभन में आ गया, तब अमर सिंह द्वारा व गुरुजी व एक अन्य व्यक्ति के द्वारा ग्राम झावल के खेतो में एक पूजा करवाई, जिसमे फरियादी से उक्त पूजा के नाम पर 2 लाख 51 हजार रुपये लेकर पूजा करने के दौरान फरियादी को बताया कि तुम्हारी पूजा सफल नही हुई है। इसकी वापस से पूजा हम लोगो को औंकारेश्वर मे करवाना पडेगी। इस पर फरियादी एंव उसकी पत्नि को दो अलग अलग कार में बैठाकर औंकारेश्वर लेकर गये। जहा घाट पर आरोपियों द्वारा पुनः पूजा औंकारेश्वर में करवाई, जहा पर एक व्यक्ति द्वारा मरने का नाटक किया गया एवं फरियादी एंव उसकी पत्नि को वापस उनके घर नंदावता छोड दिया था। उसके उपरान्त इन आरोपियों द्वारा एक व्यक्ति मर जाने के कारण मृतक के परिवार वाले परेशान कर रहे है, उनको पैसा देना पडेगा। जिससे फरियादी द्वारा भय के कारण अलग अलग टुकडो में कुल 5 लाख 20 हजार रुपये ले लिये। बाद में जब फरियादी को अमर मिला तो उसने शराब के नशे मे फरियादी को बताया कि जो व्यक्ति मरा है व जिन्दा है। बाद फरियादी ने पता किया तो उक्त व्यक्ति जो मरने का नाटक कर रहा था वह जिंदा था। इस प्रकार फरियादी के साथ अमर सिंह, गुरुजी व एक अन्य व्यक्ति ने फरियादी से कुल 07 लाख 70 हजार रुपये ले लिये। आरोपियों की पतारसी करते मरने वाला व्यक्ति भैरुलाल कनारची के रुप में पहचान हुई जो कि पुर्व में भी इसी प्रकार के अपराधो मे जैल में निरुद्ध रहा है। जिसके आधार पर आरोपी भैरुलाल को गिरफ्तार किया, जिससे पूछताछ करते अपने साथियों के नाम जगदीश, वाहिद व अमर सिंह बताया गया। उक्त प्रकरण में वाहिद पिता मुबारिक शाह के द्वारा गुरुजी का चोला औढकर धोखाधडी की गई। आरोपी अमर सिंह के द्वारा फरियादी का चयन किया गया। आरोपी जगदीश के द्वारा फरियादी को मृत व्यक्ति के नाम से डरा कर राशी वसुली गई। आरोपी भैरुलाल द्वारा मरने का नाटक कर फरियादी को डराया गया। बाद आरोपी जगदीश पिता गोवर्धनलाल सोलंकी निवासी कुचडौद व भैरुलाल पिता मांगीलाल कनारची उम्र 40 साल निवासी कुचडौद को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर जिला जैल मंदसौर निरुद्ध किया गया। मामले में फरार आरोपी वाहीद हुसैन पिता मुबारिक शाह निवासी कुचडौद एवं अमर सिंह बागरी पिता रमेश बागरी निवासी झावल है, जिनकी तलाश की जा रही है। आरोपी के कब्जे से 40 हजार रुपए नगदी व घटना में प्रयुक्त एक अल्टो वाहन, एक पल्सर मोटर साईकल जब्त की गई है।

सीतामऊ में अग्निकांड से व्यापारी आक्रोशित हुए, घेराव कर चक्काजाम किया, विधायक के प्रति नाराजगी दिखी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ में बस स्टैंड स्थित किराना दुकान में लगी भीषण आग की घटना को लेकर सोमवार को नगर के व्यापारियों का आक्रोश बाहर आ गया। बड़ी संख्या में व्यापारी नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और नगर परिषद प्रशासन के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान व्यापारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर नगर परिषद परिसर में प्रवेश किया और नारेबाजी की। व्यापारियों का आरोप है कि नगर परिषद की लापरवाही और खराब फायर ब्रिगेड व्यवस्था के कारण आग ने विकराल रुप ले लिया। जिससे दुकानों में लाखों रुपए का नुकसान हुआ। प्रदर्शन के दौरान व्यापारी हाथों में चूड़ियां लेकर पहुंचे और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों पर निष्क्रियता का आरोप लगाया। कई घंटे बाद प्रदर्शन के बाद एसडीएम शिवानी गर्ग के आश्वस्त करने पर व्यापारियों का गुस्सा शांत हुआ। मामले में विधायक हरदीप डंग ने कहा कि में दिखवा रहा हूँ। मैं गया था, नुकसान हुआ है। फायर ब्रिग्रेड गाड़ी शीघ्र आएगी। मंदसौर जिले के सीतामऊ नगर के बस स्टैंड स्थित उदिया किराना स्टोर में रविवार रात करीब 10 बजे आग लगने से पूरे नगर में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते उदिया किराना स्टोर सहित आसपास की 3 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गई, जबकि 4 अन्य दुकानों को भी भारी नुकसान पहुंचा है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस अग्निकांड में एक करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि दुकान के अंदर बड़ी मात्रा में रखा किराना सामान और तेल के टैंकर के कारण आग ने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। सोमवार को व्यापारियों में आक्रोश रहा। नगर परिषद का घेराव किया। विधायक हरदीप डंग के प्रति नाराजगी दिखाई। कई घंटे बाद प्रदर्शन के बाद एसडीएम शिवानी गर्ग के आश्वस्त करने पर व्यापारियों का गुस्सा शांत हुआ। मामले में विधायक हरदीप डंग ने कहा कि दिखवा रहा हूँ। में गया था, नुकसान हुआ है। फायर बिग्रेड गाड़ी शीघ्र आएगी

मामले में घटना के बाद नगरवासियों और व्यापारियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि पिछले दो महीने से लगातार सीतामऊ में फायर ब्रिगेड की मांग की जा रही थी, क्योंकि नगर में पहले भी कई आगजनी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदारों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। लोगों का आरोप है कि प्रशासन किसी बड़ी घटना का इंतजार कर रहा था और रविवार रात वही बड़ा हादसा हो गया। आग बुझाने के लिए सीतामऊ में कोई फायर ब्रिगेड उपलब्ध नहीं थी, जिसके चलते सुवासरा, मंदसौर और नगरी से दमकल वाहन बुलाने पड़े। करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद देर रात 2 बजे आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने के दौरान थाना प्रभारी कमलेश प्रजापति की भूमिका भी चर्चा का विषय रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार थाना प्रभारी स्वयं टैंकर की नली लेकर धधकती आग के बीच घुसते रहे और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर आग पर काबू पाने के प्रयास करते रहे। उनके साथ पुलिस बल और नगर के लोगों ने भी पूरी रात राहत कार्य में सहयोग किया। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि आग लगने के बाद देर रात क्षेत्रीय विधायक हरदीपसिंह डंग को लगातार फोन लगाए गए ताकि तत्काल फायर ब्रिगेड और अन्य मदद मिल सके, लेकिन विधायक ने फोन रिसीव नहीं किया। इससे व्यापारियों में और अधिक नाराजगी देखी गई। आगजनी की सूचना मिलते ही एसडीएम शिवानी गर्ग और तहसीलदार मोहित सिनम भी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। घटना के विरोध में व्यापारियों ने सोमवार को नगर बंद का आह्वान किया है और नगर परिषद की लापरवाही पर जवाबदेही तय करने की मांग की है।

सम्पादकीय

जहां नारियों का सम्मान वहां देवताओं का वास

हमारे शास्त्रों में स्पष्ट कहा गया है कि यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता अर्थात जहां नारियों का सम्मान होता है वहां देवताओं का वास होता है। भारत की शिक्षित एवं आत्मनिर्भर नारियां आज केवल परिवार की आधारशिला नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण की सबसे शक्तिशाली ऊर्जा बन चुकी हैं। समय के परिवर्तन ने यह सिद्ध कर दिया है कि किसी भी देश की वास्तविक प्रगति तब तक संभव नहीं हो सकती जब तक उसकी आधी आबादी शिक्षित, सशक्त और आत्मनिर्भर न हो। भारतीय संस्कृति में नारी को आदिकाल से पूजनीय माना गया है किंतु विडंबना यह रही कि लंबे समय तक पुरुष प्रधान व्यवस्था ने नारी को केवल घर की सीमाओं तक सीमित कर दिया। स्वामी विवेकानंद ने कहा था– किसी राष्ट्र की प्रगति का सर्वोत्तम मापदंड वहां की महिलाओं की स्थिति होती है। नारी को सम्मान तो दिया गया, पर स्वतंत्रता और अवसर नहीं दिए गए। परिणामस्वरूप समाज का विकास एकांगी होकर रह गया।

अब परिस्थितियां बदल रही हैं। आज भारत में बेटी के जन्म पर मातम नहीं बल्कि उत्सव मनाया जाने लगा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में महिला साक्षरता दर निरंतर बढ़ रही है और उच्च शिक्षा में भी लड़कियों की भागीदारी कई क्षेत्रों में लड़कों के बराबर पहुंच चुकी है। शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार विश्वविद्यालयों में छात्राओं की भागीदारी लगभग 49 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जो भारतीय समाज में एक सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। महात्मा गांधी ने कहा था यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, किंतु यदि आप एक स्त्री को शिक्षित करते हैं तो पूरा परिवार शिक्षित हो जाता है। यह कथन आज पूरी तरह सत्य सिद्ध हो रहा है। शिक्षित महिलाएं केवल अपने जीवन को नहीं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी उज्ज्वल बनाती हैं। आज भारत की महिलाएं विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, सेना, खेल, न्यायपालिका, अंतरिक्ष और व्यापार सहित हर क्षेत्र में अपने सामर्थ्य का परचम लहरा रही हैं। भारतीय वायुसेना में लड़ाकू विमान उड़ाने वाली बेटियां, सीमा पर देश की रक्षा करती महिला सैनिक, चंद्रयान और मंगलयान मिशन में योगदान देती वैज्ञानिक महिलाएं तथा ओलंपिक और विश्व प्रतियोगिताओं में तिरंगा फहराती खिलाड़ी यह प्रमाणित करती हैं कि भारतीय नारी किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है।

कल्पना चावला ने अंतरिक्ष में भारत का गौरव बढ़ाया, पी. वी. सिंधु और साइना नेहवाल ने विश्व बैडमिंटन में भारत की पहचान बनाई, मैरी कॉम ने संघर्ष और साहस की मिसाल प्रस्तुत की, जबकि साक्षी मलिक और फोगाट बहनों ने कुश्ती जैसे कठिन खेल में विश्व पटल पर भारत को सम्मान दिलाया। आज भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक हैं। उन्होंने यह सिद्ध किया कि भारत की बेटी अब राष्ट्र के सर्वोच्च पद तक पहुंच सकती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने विश्व राजनीति में अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से भारत की पहचान मजबूत की थी। इसी प्रकार वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तथा अनेक महिला मंत्री आज देश की नीतियों को दिशा दे रही हैं। आज भारत इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

प्राचीन भारत में भी नारी शिक्षा का गौरवशाली इतिहास रहा है। वेदों और उपनिषदों में गार्गी, मैत्रेयी, अनुसूया और सावित्री जैसी विदुषी नारियों का उल्लेख मिलता है जिन्होंने ज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। मंडन मिश्र की पत्नी भारती ने आदि शंकराचार्य जैसे महान दार्शनिक से शास्त्रार्थ कर अपनी विद्वता का परिचय दिया था। इससे स्पष्ट होता है कि भारतीय परंपरा में नारी केवल गृहस्थ जीवन तक सीमित नहीं थी बल्कि ज्ञान और चिंतन की धुरी भी थी। बाद के समय में बाल विवाह, पर्दा प्रथा और अशिक्षा जैसी कुप्रथाओं ने महिलाओं के विकास को बाधित किया। महादेवी वर्मा ने कहा था– नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। आज यह बात पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देती है।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार जिन देशों में महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक भागीदारी अधिक है वहां गरीबी और सामाजिक असमानता कम पाई जाती है। भारत सरकार की बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, उज्ज्वला योजना और महिला स्वयं सहायता समूह जैसी योजनाओं ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज लाखों ग्रामीण महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से छोटे उद्योग, हस्तशिल्प, डेयरी और स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक सशक्तिकरण की नई मिसाल बन रही हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार भारत में महिला उद्यमियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है और स्टार्टअप क्षेत्र में भी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी दिखाई दे रही है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक चेतना का भी प्रतीक है। अब भारतीय समाज यह समझ चुका है कि बेटी बोझ नहीं बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी शक्ति है। जिस घर में शिक्षित और आत्मनिर्भर स्त्री होती है वहां संस्कार, संवेदना, अनुशासन और प्रगति का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाता है। भारतीय नारियां संस्कृति और संस्कारों की संवाहक होने के साथ-साथ आधुनिक भारत की प्रगति की धुरी भी बन चुकी हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज स्त्री को केवल सम्मान के शब्दों तक सीमित न रखे बल्कि उसे समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा और आत्मनिर्भरता का पूरा अधिकार दे।

सभी धर्मों की मूल आध्यात्मिक एकता को आत्मसात करता है सहजयोग

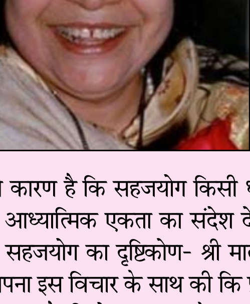

विश्व में अनेक धर्म, परंपराएँ और आध्यात्मिक मार्ग प्रचलित हैं। बाहरी रूप, पूजा-पद्धति और रीति-रिवाजों में भिन्नता होने के बावजूद सभी धर्मों का मूल उद्देश्य मानव को सत्य, प्रेम, शांति और ईश्वर से जोड़ना है। सहजयोग इसी सार्वभौमिक सत्य को स्वीकार करता है कि सभी धर्मों की जड़ एक ही आध्यात्मिक चेतना में निहित है। यही कारण है कि सहजयोग किसी धर्म विशेष का प्रचार न होकर मानवता की आध्यात्मिक एकता का संदेश देता है।

सहजयोग का दृष्टिकोण- श्री माताजी निर्मला देवी जी ने सहजयोग की स्थापना इस विचार के साथ की कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक दिव्य शक्ति विद्यमान है, जिसे जागृत करके आत्म-साक्षात्कार प्राप्त किया जा सकता है। उनका मानना था कि सभी धर्मों के महान संतों, पैगंबरों और अवतारों ने मानवता को आत्मिक उन्नति का ही मार्ग दिखाया है।

सहजयोग यह नहीं कहता कि व्यक्ति अपने धर्म को त्याग दे, बल्कि यह सिखाता है कि अपने धर्म की वास्तविक आध्यात्मिक गहराई को समझा जाए। इस प्रकार यह हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन और अन्य सभी धर्मों के मूल तत्वों को एक सूत्र में जोड़ता है।

यदि हम विभिन्न धर्मों के मूल सिद्धांतों को देखें, तो उनमें कई समानताएँ दिखाई देती हैं प्रेम और करुणा - ईसा मसीह ने प्रेम का संदेश दिया, बुद्ध ने करुणा का, और श्रीकृष्ण ने मानव कल्याण का मार्ग बताया।

आत्मशुद्धि - हर धर्म मन और आत्मा की पवित्रता पर बल देता है।

ध्यान और प्रार्थना - सभी धार्मिक परंपराओं में ध्यान, प्रार्थना या इबादत के माध्यम से ईश्वर से जुड़ने की प्रेरणा दी गई है।

सत्य और नैतिकता ङ्क सत्य, ईमानदारी और सदाचार सभी धर्मों की आधारशिला हैं।सहजयोग इन सभी मूल्यों को आत्मसात कर व्यक्ति को यह अनुभव कराता है कि आध्यात्मिकता किसी सीमा, भाषा या पंथ की मोहताज नहीं है।

आज संसार में धार्मिक असहिष्णुता और विभाजन की समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। ऐसे समय में सहजयोग लोगों को आपसी प्रेम, सम्मान और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाता है। विभिन्न देशों और संस्कृतियों के लोग सहजयोग के माध्यम से एक साथ ध्यान करते हैं और यह अनुभव करते हैं कि आध्यात्मिक सत्य सार्वभौमिक है।

तमिलनाडु में उभरता 'थिंक टैंक शासन' – क्या बदलेगा लोकतंत्र का चेहरा?

तमिलनाडु की राजनीति इस समय केवल सरकार बदलने की कहानी नहीं लिख रही, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के पुनर्जन्म का दृश्य रच रही है। जातीय गणित, पारिवारिक विरासत और भावनात्मक नारों पर दशकों तक चलने वाली राजनीति के बीच अभिनेता से मुख्यमंत्री बने विजय ने ऐसा दांव चला है, जिसने देशभर का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। मुख्यमंत्री विजय सहित 10 सदस्यों वाला उनका शुरुआती कॉम्पैक्ट कैबिनेट आकार में छोटा जरूर है, लेकिन संदेश में बेहद विशाल दिखाई देता है। यहां कुर्सियों की संख्या कम है, पर योग्यता, शिक्षा, पेशेवर अनुभव और युवा सोच की चमक असाधारण है। यह कैबिनेट पारंपरिक सत्ता का चेहरा नहीं, बल्कि ब्रेन पावर को शासन की सबसे बड़ी ताकत बनाने की नई राजनीतिक घोषणा प्रतीत होता है।

तमिलनाडु की नई सत्ता कहानी में सबसे प्रभावशाली चेहरा 29 वर्षीय एस. केरथना बनकर उभरी हैं, जिन्होंने मंत्री पद संभालते ही राजनीति में उम्र की पुरानी सीमाओं को चुनौती दे दी। शिवकासी (आतिशबाजी राजधानी) में साधारण पृष्ठभूमि से पहली महिला विधायक और मंत्री बनकर सत्ता के केंद्र तक पहुंचीं केरथना अब केवल युवा महिला मंत्री नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक दौर की पहचान बन चुकी हैं। तमिल माध्यम की सरकारी शिक्षा से गणित और सांख्यिकी में उच्च अध्ययन तक उनका सफर दिखाता है कि राजनीति अब केवल भाषणों का मंच नहीं, बल्कि आंकड़ों, समझ और सामाजिक संवेदनाओं का क्षेत्र भी बन रही है। आतिशबाजी उद्योग के मजदूरों, महिलाओं के समान वेतन और स्वास्थ्य मुद्दों पर उनका संघर्ष साबित करता है कि यह पीढ़ी सत्ता का सुख नहीं, समाज की आवाज बनना चाहती है।

विजय के 'ब्रेन कैबिनेट' को सबसे अधिक प्रशासनिक मजबूती पूर्व आईआरएस अधिकारी और डॉक्टर के.जी. अरुणराज की मौजूदगी देती है। टैक्स प्रशासन का वर्षों का अनुभव और चिकित्सा क्षेत्र की गहरी समझ उन्हें इस टीम का सबसे भरोसेमंद चेहरा बनाता है। उनका राजनीति में प्रवेश उस पुरानी धारणा को तोड़ता है, जिसमें योग्य प्रोफेशनल्स सत्ता से दूरी बनाए रखते थे। सुरक्षित सरकारी करियर छोड़कर अरुणराज ने संकेत दिया है कि राजनीति अब केवल वंशवाद का मंच नहीं, बल्कि गंभीर नीति निर्माण का केंद्र भी बन सकती है। उनकी मौजूदगी से वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और प्रशासनिक सुधारों की उम्मीदें स्वतः मजबूत दिखाई देती हैं। विजय की राजनीतिक टीम पारंपरिक सत्ता ढांचे से अलग, योग्यता और निष्ठा पर आधारित नए राजनीतिक मॉडल की झलक देती है। टीवीके के 108 विधायकों में 6 पीएचडी धारक, 22 पोस्ट ग्रेजुएट, 5 आईआईटी इंजीनियर, 8 एमबीबीएस डॉक्टर और करीब 40 वकील-इंजीनियर शामिल हैं। कुल 67 विधायक ग्रेजुएट हैं। द्रविड़ पार्टियों की पारंपरिक राजनीति में ऐसे बड़े पैमाने पर शिक्षित प्रतिनिधित्व दुर्लभ रहा है। ये आंकड़े केवल डिग्रियों का प्रदर्शन नहीं, बल्कि बदलती राजनीतिक सोच का संकेत हैं। विजय ने उस पुरानी धारणा को तोड़ा है कि शासन केवल राजनीतिक अनुभव से चलता है। उन्होंने साबित किया कि तकनीकी समझ, प्रशासनिक दृष्टि और डेटा-आधारित नीति ही आधुनिक सत्ता की असली ताकत हैं। यही कारण है कि उनका कैबिनेट पारंपरिक मंत्रिमंडल नहीं, बल्कि एक रणनीतिक थिंक टैंक नजर आता है।

विजय सरकार की असली चुनौती अब भाषणों या डिग्रियों नहीं, बल्कि सत्ता संचालन की कठोर हकीकत से टकराने वाली है। चुनाव जीतना एक उपलब्धि हो सकती है, लेकिन बेरोजगारी, स्वास्थ्य संकट, उद्योग, कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन जैसे मोर्चों पर टिके रहना कहीं कठिन परीक्षा है। यहां केवल शिक्षा नहीं, अनुभव, राजनीतिक धैर्य और जमीनी समझ भी निर्णायक बनते हैं। विजय ने युवा प्रोफेशनल्स और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाकर नई कार्यशैली गढ़ने की कोशिश की है। छोटा कैबिनेट फैसलों को तेज बना सकता है, लेकिन सीमित अनुभव संकट में कमजोरी भी साबित हो सकता है। यही वजह है कि यह सरकार जितनी उम्मीदों का केंद्र है, उतनी ही तीखी निगाहों के घेरे में भी।

विजय की राजनीति का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता अब केवल पारिवारिक दरबारों की विरासत नहीं रहनी चाहिए। उनकी टीम के अधिकांश चेहरे किसी राजनीतिक खानदान से नहीं, बल्कि अपनी मेहनत, शिक्षा और सामाजिक संघर्ष के दम पर उभरे हैं। यह बदलाव केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि युवाओं की सोच बदलने वाला भी है। इससे यह विश्वास मजबूत होगा कि राजनीति में जगह बनाने के लिए बड़े उपनाम या जातीय समीकरण अनिवार्य नहीं हैं। न्यू तमिलनाडु की अवधारणा भी इसी सोच से जन्म लेती है, जहां सत्ता का आधार वंश नहीं, क्षमता बनती है। यदि यह प्रयोग सफल होता है, तो इसका प्रभाव केवल तमिलनाडु नहीं, पूरे भारतीय लोकतंत्र की दिशा पर पड़ सकता है।

विजय की राजनीति का मूल संदेश साफ है – सत्ता अब नारों और भावनात्मक लहरों से नहीं, परिणाम देने वाली सोच से चलेगी। हीटवेव, महिला सुरक्षा, ग्रामीण स्वास्थ्य, औद्योगिक सुरक्षा और रोजगार जैसे मुद्दे अब भीड़ को संबोधित करने नहीं, बल्कि विशेषज्ञ दृष्टि से समाधान मांगते हैं। केरथना जैसी युवा नेता जमीनी आकांक्षाओं की धड़कन समझती हैं, जबकि अरुणराज जैसे अधिकारी प्रशासन को पारदर्शिता और अनुशासन दे सकते हैं। यह कैबिनेट बताता है कि आधुनिक शासन अब केवल जनसभाओं की चमक नहीं, बल्कि समस्याओं के वैज्ञानिक समाधान की क्षमता है। यही वजह है कि विजय की टीम ब्रेन कैबिनेट नहीं, नई राजनीतिक कार्यसंस्कृति का उभरता प्रतीक बनती जा रही है।

तमिलनाडु की राजनीति आज ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां पहली बार सत्ता का आधार जातीय समीकरणों और पारिवारिक विरासत से हटकर योग्यता, शिक्षा और प्रोफेशनल क्षमता को बनाया जा रहा है। विजय का 'ब्रेन कैबिनेट' सफल होगा या नहीं, इसका फैसला समय करेगा, लेकिन उन्होंने राजनीति की बहस की दिशा बदल दी है। अब सवाल केवल जाति, क्षेत्र या उपनाम का नहीं, बल्कि नेतृत्व की क्षमता, दृष्टि और परिणाम देने की ताकत का भी होगा। यदि शिक्षित और प्रोफेशनल नेतृत्व की यह टीम जनहित में ठोस बदलाव ला पाती है, तो तमिलनाडु भारतीय राजनीति को नया मॉडल दे सकता है। यह केवल सरकार नहीं, बल्कि उस नए दौर की शुरुआत है जहां सत्ता की सबसे बड़ी पहचान कुर्सी नहीं, क्षमता बनती है।

-प्रो. आरके जैन

भारतीय राजनीति का बदलता चेहरा

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों ने इस बार केवल सत्ता का गणित नहीं बदला, बल्कि लोकतंत्र के अर्थ को भी एक नई सामाजिक व्याख्या दी है। आसग्राम से कलिता माझी, हिंगलगंज से रेखा पात्रा और पनिहाटी से रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत केवल चुनावी सफलता नहीं है।

यहां एक घरेलू सहायिका है, एक श्रमिक और वंचित वर्ग से आई महिला है तो एक ऐसी मां भी है जिसने अपनी निजी पीड़ा और सामाजिक अपमान को अपनी शक्ति और दृढ़निश्चय में बदल दिया। इन महिलाओं की उपस्थिति भारतीय राजनीति के उस बदले हुए चेहरे को सामने लाती है, जहां पहली बार हाशिए पर खड़ी दिखाई देने वाली स्त्रियां सत्ता और प्रतिनिधित्व के केंद्र में दिखाई देने लगी हैं। इन महिलाओं की जीत को यदि हम मात्र चुनावी परिणाम के रूप में देखेंगे तो यह हमारी सामाजिक दृष्टि की असफलता होगी। चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विमर्शों से परे इन महिलाओं की जीत नारी सशक्तीकरण का हस्ताक्षर है। यही वह नारी सशक्तीकरण है, जिसका आह्वान स्वतंत्रता के बाद से लगातार किया जाता रहा है और जिसकी चर्चा बौद्धिक तथा वैचारिक वर्ग वर्षों से करता आया है। कलिता माझी, रेखा पात्रा और रत्ना देवनाथ जैसी महिलाओं की जीत के साथ स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि भारत में नारीवादी विचारधारा के समर्थक और उसके मुखर प्रवर्तक खुलकर इनके साथ खड़े दिखाई देंगे। यह अपेक्षा इसलिए भी थी, क्योंकि वर्षों से स्त्री-प्रतिनिधित्व, राजनीतिक भागीदारी और नेतृत्वकारी उपस्थिति को लेकर निरंतर आवाज उठाई जाती रही है। किंतु आश्चर्य यह है कि तमाम डिजिटल मीडिया मंचों से लेकर वैचारिक और बौद्धिक विमर्शों तक एक विचित्र-सी चुप्पी दिखाई देती है। वे स्वर, जो सामान्यतः स्त्री-अधिकारों और महिला नेतृत्व के प्रश्न पर अत्यंत मुखर दिखाई देते हैं, आज कहीं खो से गए हैं। नारीवादी चिंतक नैंसी फ्रेजर अपने चर्चित निबंध %फ्राम रीडिस्ट्रिब्यूशन टू रिकग्निशन?% में इस बात पर गंभीर प्रश्न उठाती हैं कि यदि नारीवाद केवल कुछ सफल और विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं की उपलब्धियों तक सीमित रह जाए तो वह समाज की वास्तविक असमानताओं को नहीं बदल सकता। शायद यही कारण है कि जब साधारण और संघर्षपूर्ण जीवन से निकली महिलाएं राजनीति और सार्वजनिक नेतृत्व तक पहुंचती हैं तो समाज उन्हें उतनी सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता, जितनी सहजता से प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को स्वीकार करता है। बेल हुक्स ने अपनी पुस्तक फेमिनिस्ट थ्योरी – फ्राम मार्जिन टू सेंटर में लिखा है कि मुख्यधारा का नारीवादी विमर्श लंबे समय तक मुख्यतः विशेषाधिकार प्राप्त महिलाओं के अनुभवों के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। शायद यही कारण है कि श्रम, अभाव और संघर्ष से निकली महिलाओं को वह सहज स्वीकार्यता, प्रशंसा और मान्यता नहीं मिल पाती, जो प्रभावशाली और संपन्न पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को अपेक्षाकृत आसानी से प्राप्त हो जाती है।

-सुनील कुमार महला

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है।

यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने। एनसीआरबी के आंकड़े हमारे सामने एक कठोर सच रख रहे हैं। यह समय आंकड़ों पर औपचारिक चिंता जताने का नहीं, बल्कि गहन आत्ममंथन और ठोस कार्रवाई का है। यदि हम वास्तव में 2047 तक एक आदर्श, विकसित और सभ्य भारत का निर्माण करना चाहते हैं, तो अपराधमुक्त समाज निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना होगा। समाज में नैतिक चेतना, संवेदनशीलता और कानून के प्रति सम्मान का वातावरण निर्मित करना होगा। तभी हम एक ऐसे भारत की कल्पना कर सकेंगे, जहां विकास केवल इमारतों और तकनीक में नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और सामाजिक सुरक्षा में भी दिखाई दे।

-ललित गर्ग

बदलता चुनावी मिजाजः क्या भारतीय राजनीति में अब मुस्लिम वोट अपनी अहमियत खो रहा है?

करीब सात वर्ष पहले मैंने आलेख लिखा था जिसका शीर्षक था– 'क्या भारतीय मुस्लिम अहमियत रखते हैं?' उस सवाल को दोबारा उठाने का यह सही समय है।

हालिया विधान सभा चुनावों के नतीजे, खासकर पश्चिम बंगाल और असम के जहां मुस्लिम मतदाताओं की आबादी 30 फीसदी से ज्यादा है, दिखाते हैं कि यह मुद्दा अब भी मौजूद है बल्कि शायद और बड़ा हो गया है। जवाब कहीं ज्यादा उलझे हुए हैं। राजनीतिक नजरिये से निष्कर्ष यह होगा कि मोदी-शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए आज मुसलमानों की अहमियत 2019 से भी कम है।

पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा ने इस बार एक भी मुसलमान को टिकट नहीं दिया मगर दो तिहाई सीटों पर जीत हासिल कर ली। लेकिन असम में विपक्ष को देखें तो जीतने वाले 24 उम्मीदवारों में से 22 मुसलमान हैं। इसमें 18 कांग्रेस के हैं, जिसने कुल 19 मुसलमान उम्मीदवार खड़े किए थे।

पश्चिम बंगाल में 293 नवनिर्वाचित विधायकों में से 40 मुसलमान हैं। इनमें से 34 तृणमूल कांग्रेस से हैं और पार्टी द्वारा जीती कुल 80 सीटों में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। इस तरह मुसलनाम उन दो राज्यों में (जम्मू-कश्मीर राज्य नहीं है) सत्ता व्यवस्था से बाहर हैं, जहां उनकी सबसे बड़ी आबादी है। वे पूरी तरह हाशिये पर धकेल दिए गए हैं और भाजपा के इकलौते विपक्ष बनकर रह गए हैं। विडंबना या विरोधाभास यह है कि उनके नेता अब भी हिंदू हैं और भाजपा के खिलाफ लड़ाई में वे सभी हार गए हैं।

इन चुनावों ने भाजपा और धर्मनिरपेक्ष दलों के अंतर को पूरी तरह हिंदू और मुसलमान का अंतर बना दिया है। उदाहरण के लिए केरल में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के 102 नवनिर्वाचित विधायकों में से 30 मुसलमान और 29 ईसाई हैं। धर्मनिरपेक्ष दलों को इस बात से राहत है कि कम से कम केरल में मुसलमानों को जगह मिली हुई है। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि भाजपा अब इसे अल्पसंख्यक शासन का प्रमाण बताकर हिंदू वोट एकजुट करेगी और केरल के ईसाइयों को विभाजित करने की कोशिश करेगी।

राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो 18वीं लोकसभा में 24 यानी केवल 4.42 प्रतिशत सांसद मुसलमान हैं, जबकि राष्ट्रीय मतदाता सूची में 15 प्रतिशत से ज्यादा मुसलमान शामिल हैं। 16वीं लोकसभा में 22 और 17वीं लोकसभा में 27 मुसलमान सांसद थे। हालांकि यह बात उतनी हैरान करने वाली नहीं है, जितनी पहली नजर में करती है। मुसलमानों ने 1980 में 49 यानी 9 प्रतिशत और 1984 में 45 यानी 8.3 प्रतिशत सीट जीती थीं। इन दो मौकों को छोड़ दें तो लोकसभा में मुसलमान सांसद 5 प्रतिशत के आसपास ही रहे हैं। लेकिन केंद्रीय मंत्रिमंडल में उन्हें हमेशा अच्छा प्रतिनिधित्व मिलता रहा है। यहां तक कि वाजपेयी के मंत्रिमंडल में भी सिकंदर बख्त थे।

मुसलमान राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोक सभा उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर और कई दफा तो सशस्त्र बलों और खुफिया एजेंसियों के मुखिया जैसे पदों पर भी रहते थे। आज ऐसा नहीं है। देश में किसी भी राज्य का मुख्यमंत्री मुसलमान नहीं है, जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश है। केवल बिहार में लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन मुस्लिम राज्यपाल हैं। केंद्र सरकार के करीब 100 सचिवों में कामरान रिजवी (भारी उद्योग) इकलौते मुसलमान हैं। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह सर्वोच्च न्यायालय के 32 न्यायाधीशों में अभी इकलौते मुसलमान न्यायाधीश हैं। देश के मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहने वाले अंतिम मुसलमान न्यायमूर्ति एएम अहमदी थे, जो 24 मार्च 1997 को सेवानिवृत्त हुए थे।

इस सूची से भले ही ऐसा लगता हो कि भारत में मुसलमानों को हाशिये पर धकेला जा रहा है लेकिन इस पर पुनर्विचार करना होगा। बहुत बड़ी तादाद में मुसलमान चिकित्सा, विधि, शिक्षा, विज्ञान, सॉफ्टवेयर, बैंकिंग और मनोरंजन या समाचार जगत में प्रवेश कर रहे हैं। सिविल सेवा और सशस्त्र बलों (ऑफिसर्स अकादमी सहित) में मुसलमानों का चयन बढ़ रहा है। इसलिए हकीकत यही है कि प्रतिनिधित्व केवल राजनीति में कम हो रहा है।

2019 में मैंने अपने पहले स्तंभ का शीर्षक भाजपा नेता, बौद्धिक/विचारक प्रवक्ता और पूर्व राज्य सभा सांसद बलबीर पुंज के साथ 1999 में हुई एक बातचीत से लिया था। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस समूह में कुछ समय तक मेरे साथ काम भी किया था। वह द फाइनैंशियल एक्सप्रेस के लिए लिखा करते थे। पुंज का गत माह निधन हो गया। 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली दूसरी सरकार के एक वोट से गिर जाने पर वह बहुत नाराज थे। इससे पहले 1996 में वाजपेयी की सरकार 13 दिन चली थी।

वह इस बात से हताश थे कि मुस्लिम मतों के भरोसे रहने वाला कोई दल भाजपा को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। इस तरह मुसलमान ही तय कर रहे थे कि भारत पर किसका शासन होगा। मोदी-शाह के दौर में सब कुछ बदल गया।

ये तथ्य तीन अहम नतीजों की ओर संकेत करते हैं- भाजपा के प्रतिद्वंद्वी या तथाकथित धर्मनिरपेक्ष दल बहुत हद तक मुसलमानों की पार्टी लगने लगे हैं, जबकि उनके नेता हिंदू हैं। भाजपा भी यही चाहती है। 80 फीसदी हिंदू और 20 फीसदी अन्य के साथ हिंदू बनाम अन्य का यह समीकरण उसके पक्ष में जाता है। वे चुनिंदा इलाकों में ईसाइयों पर काम करना जारी रखेंगे।

-धनंजय राजौरा

13 मई को लाड़ली बहनों के खातों में बरसेगी खुशियों की सौगात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक क्लिक में करेंगे 1835 करोड़ रुपए का महाअंतरण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश की करोड़ों महिलाओं के लिए 13 मई का दिन खुशियों और आत्मनिर्भरता का नया संदेश लेकर आने वाला है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त जारी करेंगे। मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1 हजार 835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपए की राशि अंतरित करेंगे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, सम्मान और आत्मनिर्भरता के उद्देश्य से शुरू की गई लाड़ली बहना योजना आज प्रदेश की करोड़ों महिलाओं के जीवन में नई उम्मीद और मजबूती का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार आया है और परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ी है।

35 किश्तों के बाद अब 36वीं सौगात- वर्ष जून 2023 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किश्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है। मई 2026 में जारी होने वाली यह राशि योजना की 36वीं किश्त होगी। योजना की शुरुआत से अब तक महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 55 हजार 926.51 करोड़ रुपए सीधे जमा किए जा चुके हैं।

1000 से बढ़कर 1500 रुपए प्रतिमाह पहुंची सहायता- योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाते थे। अक्टूबर 2023 में इसे बढ़ाकर 1250 रुपए किया गया और नवंबर 2025 से राशि में वृद्धि कर 1500 रुपए प्रतिमाह कर दी गई। इससे लाखों परिवारों को आर्थिक मजबूती मिली है।

महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार की बड़ी प्रतिबद्धता- लाड़ली बहना योजना पर राज्य सरकार लगातार बड़े स्तर पर वित्तीय प्रावधान कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14,726.05 करोड़ रुपए, 2024-25 में 19,051.39 करोड़ रुपए, और 2025-26 में 20,318.53 करोड़ रुपए व्यय किए गए।

वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 23,882.81 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। अप्रैल 2026 तक 1830.54 करोड़ रुपए व्यय किए जा चुके हैं।

महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव- लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में महिला कल्याण और सामाजिक परिवर्तन की नई मिसाल कायम की है। योजना से प्राप्त राशि के माध्यम से महिलाएं घरेलू जरूरतों, बच्चों की शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य पर बेहतर ढंग से खर्च कर पा रही हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्वरोजगार गतिविधियों से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

ग्रामीण से शहरी तक हर वर्ग की महिलाओं को लाभ- योजना का लाभ ग्रामीण, आदिवासी, शहरी, विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्त महिलाओं सहित व्यापक वर्ग को मिल रहा है। बैंक खातों में सीधे राशि अंतरण की पारदर्शी व्यवस्था ने महिलाओं को वित्तीय रूप से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी बनाया है।

13 मई को नरसिंहपुर से होने वाला यह महाअंतरण प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के जीवन में खुशियों, सम्मान और आत्मनिर्भरता का एक और नया अध्याय जोड़ेगा।

विकल्प एक वाला नंबर दीजिए ना आपने जो डाला था वह- 13 मई को लाड़ली बहनों के खातों में बरसेगी खुशियों की सौगात, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे 1835 करोड़ का अंतरण प्रदेश की 1.25 करोड़ बहनों को मिलेगी लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त देवास, 11 मई 2026। मध्यप्रदेश की करोड़ों महिलाओं के लिए 13 मई खुशियों, सम्मान और आत्मनिर्भरता का विशेष दिन बनने जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 36वीं किश्त जारी करेंगे। मुख्यमंत्री सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1 हजार 835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रुपए की राशि अंतरित करेंगे।

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से शुरू की गई लाड़ली बहना योजना आज प्रदेश की करोड़ों महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का मजबूत आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है और वे बच्चों की शिक्षा, पोषण तथा स्वास्थ्य पर अधिक प्रभावी रूप से खर्च कर पा रही हैं।

जून 2023 से जारी है सशक्तिकरण की यात्रा- वर्ष जून 2023 में शुरू हुई इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किश्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है। मई 2026 में जारी होने वाली यह राशि योजना की 36वीं किश्त होगी। योजना की शुरुआत से अब तक महिलाओं के खातों में डीबीटी के माध्यम से कुल 55 हजार 926.51 करोड़ रुपए सीधे जमा किए जा चुके हैं।

1000 से बढ़कर 1500 रुपए प्रतिमाह पहुंची सहायता- योजना के प्रारंभ में पात्र महिलाओं को 1000 रुपए प्रतिमाह प्रदान किए जाते थे। अक्टूबर 2023 में इसे बढ़ाकर 1250 रुपए किया गया और नवंबर 2025 से राशि में पुनः वृद्धि कर 1500 रुपए प्रतिमाह कर दी गई।

महिला कल्याण के लिए सरकार का बड़ा बजट- लाड़ली बहना योजना के लिए राज्य सरकार लगातार बड़े वित्तीय प्रावधान कर रही है।

2023-24 में 14,726.05 करोड़ रुपए, 2024-25 में 19,051.39 करोड़ रुपए, 2025-26 में 20,318.53 करोड़ रुपए व्यय किए गए।

वहीं वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 23,882.81 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है। अप्रैल 2026 तक 1830.54 करोड़ रुपए व्यय किए जा चुके हैं।

महिलाओं के जीवन में आया व्यापक बदलाव- लाड़ली बहना योजना ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की नई मिसाल कायम की है। योजना से मिली आर्थिक सहायता के बल पर महिलाएं घरेलू जरूरतों, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य और स्वरोजगार गतिविधियों में अधिक सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्वरोजगार से जुड़कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

ग्रामीण, आदिवासी, शहरी, विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्त महिलाओं सहित हर पात्र महिला तक योजना का लाभ पहुंच रहा है।

13 मई को नरसिंहपुर से होने वाला यह महाअंतरण प्रदेश की करोड़ों लाड़ली बहनों के जीवन में खुशियों और आत्मनिर्भरता का एक और नया अध्याय लिखेगा।

गर्भवती महिलाओं के एएनसी पंजीयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : कलेक्टर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में मातृ एवं शिशु मृत्यु समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में गर्भवती महिलाओं का प्रथम तिमाही में शत-प्रतिशत एएनसी पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान कर उन्हें बेहतर उपचार एवं संस्थागत प्रसव की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने आशा कार्यकर्ताओं को गांवों में चौपाल लगाकर महिलाओं को सही स्तनपान एवं नवजात देखभाल की जानकारी देने, एसएनसीयू में चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ की नियमित ड्यूटी लगाने तथा कन्नौद व खातेगांव क्षेत्र में झोलाछाप चिकित्सकों के विरुद्ध एसडीएम एवं बीएमओ की संयुक्त टीम द्वारा सख्त कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही आयुष्मान कार्ड, टीबी स्क्रीनिंग, एनीमिया प्रबंधन एवं एनआरसी की प्रगति की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर अंशु जावला, एसडीएम टोंकखुर्द संजीव सक्सेना, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सरोजिनी जेम्स बेक, सिविल सर्जन डॉ. आर.पी. परमार, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुनील तिवारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीषा मिश्रा, डॉ. संतोष कोतकर सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के अधिकारी, बीएमओ, चिकित्सा अधिकारी, बीपीएम एवं बीसीएम उपस्थित रहे।

कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत प्रवेश मेला एवं जागरूकता शिविर आयोजित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस बीकेएसएन शासकीय महाविद्यालय, शाजापुर में सत्र 2026-27 के लिए कॉलेज चलो अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत एक प्रवेश मेला एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करना एवं उन्हें विभिन्न पाठ्यक्रमों, छात्रवृत्ति योजनाओं तथा रोजगारोन्मुख अवसरों की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय डॉ. एस. के. तिवारी द्वारा किया गया। प्रवेश जिला नोडल अधिकारी डॉ. अरुण कुमार बोड़ाने ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया, दस्तावेज सत्यापन, छात्रवृत्ति आवेदन, उपलब्ध पाठ्यक्रम, कैरियर अवसर, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी एवं रोजगार संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उच्च शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि आत्मनिर्भर और सफल भविष्य निर्माण की आधारशिला है उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन, कौशल विकास एवं डिजिटल शिक्षा के महत्व को समझने का आह्वान करते हुए बताया कि अब ऑनलाइन ई - प्रवेश के माध्यम से प्रवेश लेना बहुत ही सरल एवं आसान हो गया हैं। डॉ. बोड़ाने ने बताया की विद्यार्थियों की सुविधा के लिए महाविद्यालय में प्रवेश सहायता केंद्र, प्रवेश तकनीकी केंद्र, विषय चयन के लिए प्रवेश काउंसलिंग केंद्र एवं एक सेल्फी स्टैंड भी बनाया गया हैं जहाँ प्रवेश संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा साथ ही उच्च शिक्षा विभाग भोपाल द्वारा प्रवेश संबंधी टोल फ्री नंबर 18008908399 एवं हेल्प लाइन नंबर 8000063632 भी जारी किया गया हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर भी डॉ. बोड़ाने द्वारा दिए गए।

देवास की 'किसान दीदियों' का कमालः खेत से फैक्ट्री तक, अब ऑनलाइन बाजार में भी दिखेगा महिलाओं का हुनर

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायी तस्वीर सामने आई है, जहां गांव की महिलाएं अब सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि कृषि आधारित उद्योग के माध्यम से आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। कलेक्टर ऋतुराज सिंह और जिला पंचायत सीईओ श्रीमती ज्योति शर्मा के मार्गदर्शन में विजयागंज मंडी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने महिलाओं को रोजगार, सम्मान और आर्थिक मजबूती देने की दिशा में सराहनीय पहल की है।

विकासखंड देवास के ग्राम साबुखेड़ी में स्थापित एफपीओ द्वारा आलू चिप्स निर्माण इकाई सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है, जहां 'किसान दीदियां' पूरी मेहनत और लगन के साथ रेडी टू फ्राय आलू चिप्स तैयार कर रही हैं। यह एफपीओ भारत सरकार की 10 हजार एफपीओ योजना में शामिल है तथा जिला पंचायत के मार्गदर्शन में उद्यानिकी विभाग के सहयोग से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ प्राप्त कर रही है। पिछले वर्ष 2025-26 में इस इकाई ने 30 टन आलू चिप्स का उत्पादन कर सफलता हासिल की थी। अब वर्ष 2026-27 में उत्पादन को दोगुना करते हुए 60 टन चिप्स निर्माण का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए एफपीओ से जुड़ी 325 महिला अंशधारक किसान दीदियों से आलू खरीदा जाएगा, जिससे सीधे तौर पर ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि होगी।

वर्तमान में इकाई में 20 से अधिक महिलाएं सक्रिय रूप से कार्य कर रही हैं और अपनी मेहनत से आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं। तैयार होने वाले चिप्स अब स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि ब्लिंकिट, जेप्टो, यूडब्ल्यूसी फूड प्राइवेट लिमिटेड और नेचुरल प्राइम कंपनी जैसे बड़े प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के उपभोक्ताओं तक पहुंचेंगे।

भाजपा नेता श्रवण सिंह राजपूत ने भोपाल बायपास पर नवनियुक्त पाठ्य पुस्तक निगम अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के नवनियुक्त अध्यक्ष सौभाग्य सिंह ठाकुर के प्रथम देवास आगमन पर शहर में उत्साह और स्वागत का माहौल देखने को मिला। भोपाल बायपास पर भाजपा युवा नेता श्रवण सिंह राजपूत एवं उनके मित्र मंडल द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया, जहां पुष्पमालाओं, साफा एवं जयकारों के बीच श्री ठाकुर का आत्मीय अभिनंदन किया गया।

जैसे ही अध्यक्ष श्री ठाकुर का काफिला भोपाल बायपास पहुंचा, कार्यकर्ताओं और समाजजनों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। पूरा वातावरण राजपूताना शान और भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर श्रवण सिंह राजपूत ने कहा कि सौभाग्य सिंह ठाकुर जैसे जुझारू और कर्मठ नेतृत्व को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है तथा उनके नेतृत्व में शिक्षा और संगठन दोनों को नई दिशा मिलेगी।

स्वागत समारोह में बलवीर सिंह रालामंडल, विजेंद्र सिंह अकलिया, धर्मेंद्र सिंह, गोपाल सिंह सहित देवास विधानसभा क्षेत्र के अनेक पदाधिकारी, युवा कार्यकर्ता एवं राजपूत समाज के गणमान्यजन बड़ी संख्या में मौजूद रहे। सभी ने नवनियुक्त अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

जनगणना एवं जल गंगा संवर्धन अभियान में लाई जाए तेजी - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने विभिन्न विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों तथा सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का तय समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान, जनगणना, नेशनल हाईवे एवं रेलवे परियोजनाओं के लिए भू अर्जन, वन मित्र पोर्टल पर वनाधिकार दावों के पंजीयन, कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया, स्कूल चले हम अभियान, गेंहू उपार्जन तथा समग्र ई-केवाईसी सहित विभिन्न योजनाओं और अभियानों की प्रगति की समीक्षा की गई। कई कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी और कार्यों में सुधार नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की उपार्जित फसलों का समय पर भुगतान कराना सुनिश्चित करें- कलेक्टर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना की अध्यक्षता में आज समयसीमा पत्रों की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। कलेक्टर सुश्री बाफना ने उपायुक्त सहकारिता विभाग को किसानों के उपार्जित फसलों का समय पर भुगतान सुनिश्चित कराने एवं जिला आपूर्ति अधिकारी को उपार्जन केन्द्रो पर किसानों की अधिक भीड़ होने पर नजदीकी उपार्जन केन्द्र को स्लॉट स्थानांतरण करने, उपार्जन केन्द्रों पर बारदानों की उपलब्धता आदि व्यवस्थाएं करने तथा उपार्जन कार्य में गड़बड़ी करने वालों पर कार्यवाही करने के निर्देश भी दिये। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों के माध्यम से उपार्जन केन्द्रों की नियमित जाँच करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने मध्यप्रदेश सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड जिला प्रबंधक को उपार्जित किये जा रहे गेहूं का समय पर परिवहन कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि आकस्मिक वर्षा के दौरान गेहूं की उपज खराब होने की स्थिति में संपूर्ण जवाबदारी मध्यप्रदेश सिविल सप्लाई कार्पोरेशन लिमिटेड जिला प्रबंधक की रहेगी।

कलेक्टर सुश्री बाफना ने सभी अनुविभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी न हो इसकी जाँच करें।

परिवहन विभाग ने औद्योगिक क्षेत्र में बिना पीयूसी चल रहे वाहनों की आकस्मिक जॉच कर 21 वाहनों से 1 लाख 5 हजार का राजस्व वसूला

नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों के विरूद्ध की जायेगी सख्त कार्यवाही

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशानुसार जिले में परिवहन विभाग द्वारा लगातार जांच कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में जिला परिवहन अधिकारी अधिकारी श्रीमती निशा चौहान द्वारा देवास शहर में इण्डस्ट्रीयल एरिया में विशेष चैकिंग अभियान चलाया गया। जॉच के दौरान परिवहन अधिकारी द्वारा मालवाहक वाहनों के फिटनेस परमिट, बीमा और पीयूसी संबंधी दस्तावेजों का गहन सत्यापन किया गया। जांच के दौरान पीयूसी प्रमाण-पत्रों की विशेष जाँच की गई। जांच कार्यवाही में लगभग 74 वाहनों की जांच की गई। जिसमें 21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 01 लाख 05 हजार का शमन शुल्क वसूल किया गया। जांच कार्यवाही के दौरान परिवहन अधिकारी द्वारा वाहन चालकों को हिदायत दी गई कि वे निर्धारित दस्तावेजों एवं पीयूसी प्रमाण-पत्र होने पर ही वाहन का संचालन करें एवं ओव्हरलोड तथा ओव्हर स्पीडिंग ना करें अन्यथा वाहन पर चालानी कार्यवाही के साथ ही उनके चालक लायसेंस निलम्बन संबंधी कार्यवाही भी की जायेगी। जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इस प्रकार की कार्यवाही भविष्य में भी निरन्तर जारी रहेगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन स्वामियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी।

मछली कारोबार में निवेश का सुनहरा मौका, देवास में उद्यमियों के लिए खुले बड़े द्वार

केज फार्मिंग से फिश प्रोसेसिंग तक नई संभावनाएं, 20 मई तक आमंत्रित किए गए आवेदन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में मछली पालन को आधुनिक कारोबार और रोजगार के बड़े माध्यम के रूप में विकसित करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मध्यप्रदेश शासन की एकीकृत मत्स्योद्योग नीति-2026 के तहत देवास जिले में केज स्थापना एवं संचालन के लिए इच्छुक निवेशकों, युवाओं, किसानों और उद्यमियों से 20 मई 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पहल जिले में मत्स्य उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ स्वरोजगार, निजी निवेश और आधुनिक मत्स्य कारोबार को नई गति देने वाली साबित होगी।

सहायक संचालक मत्स्योद्योग देवास एस. मंडलोई ने बताया कि इच्छुक निवेशक निर्धारित तिथि तक डीपीआर (डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट) एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ कार्यालयीन समय में मत्स्योद्योग विभाग, देवास में आवेदन जमा कर सकते हैं।

अब सिर्फ मछली पालन नहीं, आधुनिक बिजनेस मॉडल का अवसर- राज्य शासन की नई नीति के तहत उद्यमियों को केवल केज एक्वाकल्चर ही नहीं, बल्कि एक्वापोनिक्स, इंटीग्रेटेड फिश फार्मिंग, ईको-टूरिज्म और ग्रीन एनर्जी जैसी आधुनिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे मछली पालन अब पारंपरिक व्यवसाय से आगे बढ़कर बड़े निवेश और आधुनिक कारोबार का रूप लेगा।

सरकार देगी लोन, तकनीकी मदद और बाजार से जोड़ने की सुविधा- मत्स्य क्षेत्र में निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए शासन द्वारा फिश हैचरी, आईस प्लांट, कोल्ड स्टोरेज, फिश प्रोसेसिंग यूनिट और विपणन अधोसंरचना विकसित करने हेतु बैंक ऋण, ब्याज सबवेंशन, तकनीकी मार्गदर्शन और मार्केट लिंकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे युवाओं और निवेशकों को अपना व्यवसाय स्थापित करने में मजबूत सहारा मिलेगा।

चयनित जलाशयों में शुरू होगा नया मत्स्य विकास मॉडल- मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास विभाग भोपाल द्वारा जिला पंचायत के चयनित जलाशयों का अधिकतम और वैज्ञानिक उपयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह योजना लागू की जा रही है। इससे जिले में मत्स्य उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार और निवेश की नई संभावनाएं विकसित होंगी।

20 मई अंतिम तिथि, अवसर का लाभ उठाएं- इच्छुक निवेशक और उद्यमी 20 मई 2026 तक कार्यालयीन समय में आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी मत्स्योद्योग विभाग के जिला कार्यालय, देवास एवं विभाग की वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

अधिक जानकारी के लिए सहायक संचालक मत्स्योद्योग देवास श्री एस. मंडलोई से मोबाइल नंबर 88392-53572 पर संपर्क किया जा सकता है।

मछली पालन को आधुनिक उद्योग में बदलने की दिशा में सरकार की यह पहल देवास के युवाओं, किसानों और निवेशकों के लिए आत्मनिर्भरता और समृद्धि का नया अध्याय साबित हो सकती है।

ज्ञान भारतम् ऐप के माध्यम से जिले की ऐतिहासिक धरोहरों के डिजिटलीकरण हेतु बैठक आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज्ञान भारतम्र अभियान के अंतर्गत जिले की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक धरोहरों के संरक्षण एवं डिजिटलीकरण को लेकर संयुक्त कलेक्टर श्री जमील खान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में उपलब्ध प्राचीन पांडुलिपियों, ऐतिहासिक दस्तावेजों एवं सांस्कृतिक विरासत को ज्ञान भारतम ऐप के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना एवं आमजन तक उनकी जानकारी उपलब्ध कराना रहा। बैठक के दौरान ज्ञान भारतम् ऐप की कार्यप्रणाली, उसके उद्देश्यों एवं जिले में इसके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों एवं उपस्थित सदस्यों द्वारा यह विचार रखा गया कि जिले में मौजूद ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों को आधुनिक तकनीक के माध्यम से संरक्षित किया जाना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को भी इन महत्वपूर्ण जानकारियों का लाभ प्राप्त हो सके।

आयुक्त ने की समयावधि पत्रों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुक्त दलीप कुमार के द्वारा निगम बैठक हाल में 11 मई सोमवार को समयावधि पत्रों की समीक्षा की। आयुक्त ने स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों हेतु सर्वे अन्तर्गत फोकस पाईट के 100 मीटर एरीये में सडकों की साफ सफाई, नाला, नालियों की सफाई, गाजर घास कटाई, सुलभ शौचालयों की निरंतर सफाई के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए इसमे ओर गति लाने के निर्देश दिए।

एच.टी.विद्युत कनेक्शनों में मोटर पम्प, नये विद्यु संयोजनों पर मीटर लगाने तथा एच.टी.संयोजनों में पावर फेक्टर मेंटनेंस के लिए कार्य संबंधित ठेकेदार से कराने हेतु कहा। आयुक्त ने प्रधानमंत्री स्वनिधि के आवेदनों की जानकारी ली तथा हितग्राहियों से नवीन आवेदनों के कार्य मे गति नही होने से अप्रसन्नता व्यक्त करने हेतु नवीन आवेदनों की संख्या बढाने के सख्त निर्देश दिए। अनुग्रह सहायता के आवेदनों की समीक्षा की गई तथा ईकेवाईसी, संबल योजना के कार्यो की जानकारी ली व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सडकों व मुख्य मार्गो, चौराहो से आवारा मवेशियों को हटाकर गौशाला मे भेजने की कार्रवाई के संबंध में संबंधितों से जानकारी ली गई तथा कार्रवाई को सतत रूपे से जारी रखने के निर्देश दिए तथा आवारा श्वानों को पकडनें हेतु की जा रही कार्रवाई मे गति लाने हेतु कहा।

आयुक्त ने शासकीय आवासों पर रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग कार्य में ओर अधिक गति लाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए तथा लक्ष्यानुरूप हार्वेसिटंग सिस्टम नही लगवाने पर संबंधित उपयंत्रियों के वेतन आहरण नही करने की चेतावनी दी गई। जल गंगा संवर्धन अभियान अन्तर्गत कुए, बावडीयों, जलाश्यों का सफाई कार्य सतत रूप से करवांए। सिवरेज कनेक्शनों पर किये जा रहे कार्यो की वार्डवार समीक्षा कर स्वच्छत निरीक्षकों व दरोगाओं से कार्य मे गति हेतु कहा।

अवैध से वैध नल संयोजनों पर की जा रही कार्रवाई पर आयुक्त ने संबंधित उपयंत्रियों को नोटीस जारी करने के निर्देश दिए। नवीन निर्माण की सामग्री को हरी नेट से ढंकवाए जाने की कार्रवाई की समीक्षा कर दिए आवश्यक निर्देश।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त पत्रों का समय सीमा मे निराकरण किए जाने के निर्देश दिए। सीएम हेल्प लाईन में प्राप्त शिकायतों का समयावधि मे निराकरण किए जाने के भी निर्देश दिए गये।

51 लाख की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक गौशेड का भव्य भूमिपूजन सम्पन्न

भीलसुड़ा गौपाल गौशाला में संतों, जनप्रतिनिधियों एवं गौभक्तों की गरिमामयी उपस्थिति

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागदा से लगभग 9 किलोमीटर दूर ग्राम भीलसुड़ा स्थित श्री गोपाल गौशाला में रविवार को 51 लाख रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक गौशेड का भव्य भूमिपूजन समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधान के साथ आयोजित इस समारोह में संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में गौभक्तों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

करीब 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद भीलसुड़ा गौपाल गौशाला के विकास एवं कायाकल्प की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। गौशाला की नवीन कार्यकारिणी एवं उपाध्यक्ष शरद जैन के नेतृत्व में आयोजित यह पहला बड़ा एवं ऐतिहासिक आयोजन रहा, जिसने क्षेत्र में गौसेवा के प्रति नई जागरूकता एवं उत्साह का संचार किया।

कार्यक्रम में पूज्य 108 संत श्री रामकरण दास जी महाराज एवं स्वामीनारायण मंदिर के महंत एव नारायण यादव सहित मुख्य अतिथियो गो भक्तो के सान्निध्य में भूमिपूजन सम्पन्न कराया गया। पंडित मुकेश शर्मा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधिविधान से पूजा-अर्चना करवाई। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण एवं गौसेवा के प्रति समर्पण की भावना देखने को मिली।

समारोह में मध्यप्रदेश कुश्ती संघ अध्यक्ष नारायण यादव, श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर शिवप्रतापसिंह चौहान, उमेशसिंह सेंगर, सुरेंद्र यादव, जयसिंह दरबार, संजय ठाकुर तथा बालू खींची बंजारा सहित अनेक गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता कर गौसेवा के इस अभियान की सराहना कर गो सेवा एव निर्माण हेतु सहयोग राशी प्रदान की

गौशाला अध्यक्ष चंदरसिंह आंजना एवं उपाध्यक्ष शरद जैन ने सभी अतिथियों का पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में जीवनसिंह डोडिया, लाखन गुर्जर, जसवंत पटेल, भंवरलाल दवे, सरपंच तेजपालसिंह डोडिया, लालसिंह पंवार, रतनसिंह पटेल, रायसिंह चौधरी, जगदीश पटेल, विजेंद्र सोनगरा, बाबूसिंह राणावत, लाखनसिंह डोडिया, वीरेंद्रसिंह डोडिया, धर्मेंद्रसिंह डोडिया, विजयपालसिंह,गोतम लश्करी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं गौभक्त उपस्थित रहे।

गौसेवा हेतु प्रतिमाह ?15 हजार सहायता की घोषणा- कार्यक्रम के दौरान अनुकम्पना जीव दया समिति, नागदा द्वारा गौसेवा के लिए सराहनीय पहल करते हुए गौमाता के इलाज, चारे एवं रखरखाव हेतु प्रतिमाह ?15 हजार की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की गई। समिति के शरद जैन, मनीष चपलोत, सुरेंद्र कांकरिया, राजेश सकलेचा, दिलीप जैन, अंकुर जैन एवं मुकेश पोरवाल ने गौसेवा को समाज का सर्वोच्च धर्म बताते हुए निरंतर सहयोग का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के अंतर्गत दानदाताओं ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। कई श्रद्धालुओं एवं समाजसेवियों ने गौशाला निर्माण एवं गौसेवा के लिए लाखों रुपये की नगद राशि भेंट कर सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम का संचालन ईश्वर आंजना ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन गोविंदसिंह डोडिया द्वारा व्यक्त किया गया। समारोह के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणजनों ने गौसंरक्षण एवं गौसेवा के इस पुनीत कार्य की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी पहल बताया।

थाना प्रभारी खकनार अभिषेक जाधव द्वारा विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदंपति को उपहार स्वरूप हेलमेट किए भेंट

थाना प्रभारी द्वार विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित दंपत्ति को शुभकामनाएं दी

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अति.पुलिस श्री अंतर सिंह कनेश निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल, एसडीओपी नेपानगर श्री निर्भय सिंह अलावा के मार्गदर्शन सभी थाना एवं चौकी स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बुरहानपुर पुलिस द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।

जिला बुरहानपुर में चल रहे यातायात विशेष अभियान के तहत सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक करने हेतु लगातार विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में थाना प्रभारी खकनार श्री अभिषेक जाधव द्वारा ग्राम रक्षा समिति अध्यक्ष श्री राज कुमार पटेल की बहन के विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदंपति को उपहार स्वरूप हेलमेट भेंट किए गए।

थाना प्रभारी खकनार श्री अभिषेक जाधव विवाह समारोह में शामिल होकर नवविवाहित दंपत्ति को शुभकामनाएं दीं।

विवाह अवसर पर दूल्हा-दुल्हन को सड़क सुरक्षा के संदेश के साथ हेलमेट उपहार स्वरूप प्रदान किए गए।

उपस्थित जनसमुदाय को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट धारण करने की अनिवार्यता एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया।

थाना प्रभारी द्वारा बताया गया कि हेलमेट केवल चालानी कार्रवाई से बचने का साधन नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का महत्वपूर्ण उपकरण है। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से स्वयं हेलमेट पहनने एवं अपने परिवारजनों को भी यातायात नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित करने की अपील की गई।

विशेष रूप से युवाओं को तेज गति से वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए वाहन न चलाने तथा सुरक्षित ड्राइविंग अपनाने का संदेश दिया गया।

विवाह समारोह में मौजूद लोगों ने पुलिस की इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक जागरूकता की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

बुरहानपुर पुलिस द्वारा यातायात विशेष अभियान के अंतर्गत जिलेभर में सड़क सुरक्षा संबंधी जागरूकता गतिविधियां लगातार संचालित की जा रही हैं।

पुलिस ने कंजर डेरे पर दी दबिश, तीन संदिग्ध बाइक जब्त की

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली और लालघाटी पुलिस ने रविवार को बेरछा क्षेत्र स्थित रुलकी कंजर डेरे पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन संदिग्ध बाइक जब्त की हैं। शहर में लगातार बढ़ रही दोपहिया वाहन चोरी की वारदातों को रोकने के लिए एसपी के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। जब्त वाहनों के इंजन और चेसिस नंबर मिटाए गए हैं, जिनकी जांच अब पुलिस का तकनीकी दल कर रहा है।

जब पुलिस ने रुलकी डेरे पर दबिश दी तो वहां से मिली तीनों बाइकों के पहचान नंबरों के साथ छेड़छाड़ की गई है। कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि पुलिस अब इन वाहनों का मिलान शहर से चोरी हुए 12 दोपहिया वाहनों की शिकायतों और उनके दस्तावेजों से कर रही है। संदेह है कि ये वाहन चोरी के बाद नंबर बदलकर इस्तेमाल किए जा रहे थे।

पुलिस को देख बाइक छोड़कर भागे कई संदिग्ध

इस छापामार कार्रवाई के दौरान करीब 15 पुलिसकर्मी शामिल थे। पुलिस बल को आता देख डेरे में मौजूद कई संदिग्ध युवक अपनी बाइकों के साथ मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने मौके पर मिले अन्य संदिग्ध ठिकानों की भी तलाशी ली है ताकि चोरी गए अन्य वाहनों का सुराग लगाया जा सके।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर गिरोह की तलाश- शहर में हाल के दिनों में 12 वाहन चोरी की घटनाएं हुई हैं, जिनमें कुछ मामलों के आरोपी सीसीटीवी कैमरों में भी कैद हुए थे।

खरखरे सातवी बार बने मोहर्रम कमेटी के सदर, भाईचारे के साथ मनाया जाएगा मोहर्रम पर्व

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। चौबदार वाड़ी स्थित निजी निवास पर रविवार रात शहर मोहर्रम कमेटी की एक अहम बैठक वरिष्ठ सरपरस्त शेख शमीम शम्मू भाई की सदारत में आयोजित की गई। बैठक में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के माहौल में मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में वरिष्ठ सरपरस्त शेख शमीम शम्मू भाई ने कहा कि मोहर्रम का पर्व इंसानियत, सब्र, कुर्बानी और आपसी मोहब्बत का पैगाम देता है। सभी लोग अमन, एकता और अनुशासन के साथ मोहर्रम मनाएं। इस अवसर पर मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों एवं सरपरस्तों ने इमरान खरखरे को लगातार सातवीं बार मोहर्रम कमेटी का सदर बनाए जाने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शी सोच, शानदार नेतृत्व क्षमता, मिलनसार व्यवहार और समाज के प्रति समर्पण की बदौलत मोहर्रम पर्व हर वर्ष बेहतर तरीके से संपन्न होता आया है। पदाधिकारियों ने कहा कि इमरान खरखरे युवाओं के बीच खास लोकप्रियता रखते हैं और हमेशा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं। उनकी कयादत में मोहर्रम कमेटी ने सामाजिक सौहार्द, भाईचारे और अनुशासन की एक मिसाल कायम की है।

राजा जन्मेजय की नगरी नागदा में भव्य श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ का आयोजन

20 मई को होगी पूर्णाहुति

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा जन्मेजय की नगरी नागदा में दिनांक 13 मई से 20 मई 2026 तक भव्य श्री रूद्र महाचण्डी महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। यह सात दिवसीय धार्मिक महोत्सव रूपेटा रोड, नागदा जंक्शन से लगभग 2 किलोमीटर दूर, राजेन्द्र पेट्रोल पंप के सामने स्थित श्री पंचमुखी नाग महाराज के पावन स्थल पर आयोजित होगा।

श्री पंचमुख नाग महाराज समिति के सदस्य आदित्य शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह आयोजन पण्डित श्री विजय शर्मा (पण्डाजी महाराज) के सानिध्य में सम्पन्न होगा। महायज्ञ का मुख्य उद्देश्य विश्व शांति एवं जनकल्याण की मंगल कामना है, जिसके अंतर्गत सातों दिन विशेष यज्ञ एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जाएंगे।

पण्डित विजय शर्मा के अनुसार, इस सात दिवसीय महोत्सव का संचालन उज्जैन के यज्ञाचार्य पं. गजानंद गुरु के मार्गदर्शन में किया जाएगा। इस दौरान लगभग डेढ़ लाख से अधिक आहुतियां श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित की जाएंगी।

महोत्सव के अंतिम दिन 20 मई 2026 को पूर्णाहुति के साथ कार्यक्रम का समापन होगा तथा दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

इस आयोजन को सफल बनाने में सत्यनारायण शर्मा, विजय संघवी, नितिन ओरा,राजेश सकलेचा, संजय जैन, काशीराम पाटीदार (उज्जैन), कालुराम पोरवाल, टिंकू मीणा, जैकी शर्मा, रवि चौहान, राजा पोरवाल, धर्मेन्द्र चौहान, बद्रीलाल चौहान, राजेश इयाना, श्याम पाटीदार, जगदीश पाटीदार, सुरेश पाटीदार, दिनेश मीणा, ओमप्रकाश शर्मा, नितेश टाक, कैलाश कुमावत, आतु बाबा एवं दीपक गुर्जर सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

माननीय विधायक भंवरसिंह शेखावत द्वारा विकास कार्यो एवं समस्याओं के निराकरण हेतु समीक्षा बैठक परिषद में बैठक ली गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माननीय विधायक श्री भंवरसिंह शेखावत विधानसभा क्षेत्र बदनावर द्वारा नगर परिषद बदनावर को विकास कार्यो एवं समस्या एवं सुझावों को लेकर परिषद सदस्यों के साथ बैठक ली गई। बैठक में निकाय में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यो की समीक्षा की गई। साथ ही नगरीय क्षेत्र बदनावर में पेयजल, बलवंती नदी का जिर्णोद्वार कार्य, बडी चैपाटी से बदनावर बस स्टेण्ड तक मुख्य मार्ग पर दरारे, शहर में सडक, प्रकाश व्यवस्था, गांधी मार्ग में विद्युत व्यवस्था, नगरीय क्षेत्र में प्रस्तावित विकास के निर्माण कार्यो की स्टीमेंट, टी.एस. हितग्राही मूलक योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, आगामी वर्षा ऋृतु को दृष्टिगत रखते हुए नाले एवं नालियों की सफाई, निकाय की दुकानों की बकाया किराया वसूली एवं नंदराम चैपडा स्कुल के सामने प्रस्तावित नवीन दुकान निर्माण उपरांत जल प्रबंधन के उचित इंतजाम किये जाने हेतु एवं शासकीय हास्पिटल में 24 घण्टे पानी की व्यवस्था किये जाने हेतु समीक्षा की जाकर आवश्यक निर्देश अध्यक्ष श्रीमती मीना यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री लालसिंह राठौर, उपयंत्री श्री सारंग पुराणिक को दिये। साथ ही बैठक में उपस्थित नगर परिषद सदस्य अध्यक्ष श्रीमती मीना-शेखर यादव उपाध्यक्ष श्री राजेन्द्रसिंह पंवार फून्दा बापु, श्रीमती भारती राठौड, श्री जितेन्द्र शर्मा, श्रीमती झन्नुबाई सिर्वी, श्री सुखराम देवदा, श्री महिपालसिंह पंवार प्रतिपक्ष नेता, श्री साजिद खान, श्री चेतन नागल पार्षद प्रतिनिधि, श्री भैरूलाल डावर पार्षद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि श्री हेमंत मोदी, पूर्व पार्षद श्री निर्मल वर्मा, श्री मुकेश होती, श्री विनोद शर्मा, सहित बडी संख्या में उपस्थित जनप्रतिनिधि नगरिकगणों से नगर के विकास हेतु सुझाव चाहे गये।

इस अवसर पर माननीय विधायक महोदय श्री भंवरसिंह शेखावत जी को श्रीमती मीना-शेखर यादव की अध्यक्षता में नगर परिषद बदनावर के पार्षदगणों द्वारा नगर के विकास कार्यो की स्वीकृति हेतु मांग पत्र सौपा।

बुरहानपुर पुलिस का विशेष यातायात अभियान

माल वाहन में सवारी ढोने, फिटनेस, मोडीफाइड बॉडी, बीमा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस,एवं हेलमेट एवं ऐसे वाहन जिनके दस्तावेज एक्सपायर होने वाले वाहनों की गई चेकिंग

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अति.पुलिस श्री अंतर सिंह कनेश निर्देशन में नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल के मार्गदर्शन सभी थाना एवं चौकी स्तर पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बुरहानपुर पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया।

दिनांक 11.05.2026 को थाना प्रभारी यातायात निरीक्षक श्री राजेश बरवाल एवं स्टाफ द्वारा इंदौर इच्छापुर हाईवे ब्लैक स्पॉट पॉइंट पर सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चेकिंग अभियान चलाया गया जिसमें माल वाहन में सवारी ढोने, फिटनेस, मोडीफाइड बॉडी, बीमा, बिना ड्राइविंग लाइसेंस,एवं हेलमेट एवं ऐसे वाहन जिनके दस्तावेज एक्सपायर होने वाले वाहनों की गई चेकिंग की गई साथ ही वाहन दस्तावेज जैसे आरसी, परमिट, बीमा एवं फिटनेस एक्सपायर पाए जाने पर संबंधित वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। एवं पुलिस द्वारा वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने एवं सुरक्षित वाहन संचालन के संबंध में जागरूक किया गया।

यातायात पुलिस द्वारा भविष्य में भी इस प्रकार की सघन जांच एवं विशेष अभियान लगातार जारी रखेंगे।

सरकारी जमीन घेरने वाले बने व्यापारी, दुकान के बाहर सामान रखने वाले कहलाए अतिक्रमणकारी

नगर परिषद सीएमओ की दबंगई पर उठे सवाल, कार्रवाई में पक्षपात के आरोप

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर परिषद द्वारा चलाए गए अतिक्रमण अभियान ने शहर में एक नई बहस छेड़ दी है। नगरवासियों का कहना है कि जो लोग वर्षों से सरकारी जमीन पर कब्जा कर व्यापार कर रहे हैं, वे आज भी व्यापारी कहलाकर सुरक्षित घूम रहे हैं, जबकि अपनी वैध दुकानों के सामने सीमित सामान रखकर व्यापार करने वाले छोटे दुकानदारों को अतिक्रमणकारी घोषित कर कार्रवाई की जा रही है।

नगर परिषद की इस कार्रवाई को लेकर अब खुलकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का आरोप है कि सीएमओ साहब की दबंगई केवल उन व्यापारियों पर दिखाई दी जो आसानी से दबाए जा सकते हैं, जबकि बस स्टैंड, कारगिल चौराहा, नगर परिषद कार्यालय के सामने और विक्रमगढ़ फाटक तक फैले स्थायी अतिक्रमणों पर परिषद की नजरें अब भी झुकी हुई हैं।

नगरवासियों का कहना है कि यदि परिषद वास्तव में निष्पक्ष होती तो सबसे पहले सरकारी जमीन पर वर्षों से कब्जा जमाकर बैठे लोगों को हटाती। बस स्टैंड पर फैली अव्यवस्था, सड़क किनारे जमी घूमतियां, बड़े-बड़े होर्डिंग, रेत-बालू के ढेर और सार्वजनिक मार्गों पर कब्जा कर बैठे लोगों पर कार्रवाई होती। लेकिन इसके बजाय छोटे दुकानदारों की पीढ़ी, बाहर रखा सामान और गरीबों की रोजी-रोटी पर डंडा चलाकर भव्य अभियान का प्रचार किया जा रहा है।

नगर में चर्चा है कि परिषद की कार्रवाई कानून से ज्यादा चुनिंदा निशाने पर आधारित नजर आई। क्योंकि जिन स्थानों पर वर्षों से शिकायतें होती रही हैं, जहाँ आमजन को सबसे अधिक परेशानी होती है, वहाँ आज तक प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इससे परिषद की कार्यप्रणाली और निष्पक्षता दोनों पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों ने व्यंग्य करते हुए कहा कि - सरकारी जमीन घेर लो तो व्यापारी कहलाओ, लेकिन अपनी दुकान के बाहर दो फुट सामान रख दो तो अतिक्रमणकारी बन जाओ।

नगरवासियों का यह भी कहना है कि यदि परिषद में वास्तव में हिम्मत है तो बस स्टैंड और कारगिल चौराहे से शुरू होने वाले स्थायी कब्जों पर बुलडोजर चलाकर दिखाए, तभी जनता मानेगी कि अभियान निष्पक्ष है। वरना छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई कर फोटो खिंचवाना अब लोगों की नजर में केवल दिखावटी शेरगिरी बनकर रह गया है।

हमारे द्वारा नगर में बारिश के पहले नालियों की सफाई व अन्य सभी प्रकार की व्यवस्था को देखते हुवे यह अतिक्रमण हटाया गया है।

-सीताराम चौहान, सीएमओ नगर परिषद, आलोट

बिजली कंपनी कार्यालय का घेराव, किसानो को हथकड़ी लगवाने, गलत बिल और अमानवीय व्यवहार का आरोप

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र के नेतृत्व में सोमवार को किसानों, मजदूरों, कार्यकर्ताओं एवं बिजली विभाग की कार्रवाई से पीड़ित लोगों ने मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड कार्यालय मन्दसौर का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने बिजली विभाग एवं विजिलेंस टीम के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विभागीय कार्रवाई को किसान विरोधी बताया। बाद में अधीक्षण यंत्री को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर किसानों की समस्याओं से अवगत कराया गया।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि बिजली विभाग एवं विजिलेंस टीम द्वारा लगातार किसानों और आम उपभोक्ताओं पर फर्जी बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज किए जा रहे हैं। बिना निष्पक्ष जांच के किसानों को थानों में बैठाया जा रहा है तथा कई मामलों में गिरफ्तारी कर जेल तक भेजा जा रहा है। किसानों ने कहा कि पुलिस के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में भय का माहौल बनाया जा रहा है, जिससे किसान एवं गरीब वर्ग मानसिक रूप से परेशान है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि लोक अदालत, जो समझौता एवं समाधान का माध्यम होती है, वहां भी किसानों एवं उपभोक्ताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए जा रहे हैं। इससे गरीब किसान एवं मजदूर वर्ग आर्थिक और सामाजिक रूप से प्रभावित हो रहा है। किसानों ने आरोप लगाया कि विभाग द्वारा अत्यधिक एवं गलत बिजली बिल दिए जा रहे हैं। कई उपभोक्ताओं को लाखों रुपये तक के बिल थमा दिए जाते हैं। तकनीकी खराबी अथवा केबल में समस्या होने के बावजूद किसानों को यह कहकर बिल भरने के लिए मजबूर किया जाता है कि ÷जमीन में करंट चला गया है।÷ प्रदर्शन के दौरान किसानों ने क्षेत्र की खराब बिजली व्यवस्था को लेकर भी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि गांवों में जर्जर तार, खराब डीपी और अव्यवस्थित लाइनें हादसों का कारण बन रही हैं। कई स्थानों पर आबादी क्षेत्र के बीच से हाईटेंशन लाइनें गुजर रही हैं, जिससे आमजन की जान को लगातार खतरा बना हुआ है। किसानों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद विभाग समय पर सुधार कार्य नहीं कर रहा है। ज्ञापन में हाल ही में जलोदिया गांव के किसान रामप्रसाद मेघवाल एवं नंदराम मेघवाल के मामले का भी उल्लेख किया गया। किसानों का कहना है कि विधिवत बिजली कनेक्शन होने के बावजूद विजिलेंस टीम द्वारा दोनों किसानों पर कथित बिजली चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया और वारंट के आधार पर उन्हें थाने लाकर हथकड़ी लगाई गई। इस घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन से सौजन्य मुलाकात कि

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आज भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव एवं राष्ट्रीय संयोजक डॉ. प्रेम कुमार वैद्य के साथ प्रदेश कार्यकारिणी अध्यक्ष महेश कुमार वर्मा तथा धार जिला अध्यक्ष योगेंद्र तिवारी द्वारा प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन के निवास पर पहुंचकर सौजन्य मुलाकात की गई।

इस दौरान संगठन के विभिन्न सामाजिक, जनहित एवं मानव अधिकारों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने प्रदेश मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन द्वारा संगठन एवं समाजहित में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को प्रेरणादायक बताया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव ने कहा कि संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी का समाजसेवा एवं मानव अधिकारों के प्रति समर्पण ही ट्रस्ट की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने कहा कि संगठन निरंतर जनजागरूकता, सामाजिक सहयोग एवं मानव अधिकार संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करता रहेगा।

बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं को जोड़ने एवं सामाजिक अभियानों को जन-जन तक पहुंचाने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

संगठन के शिवम तिवारी, कृष्णा यादव, डॉ. प्रेम कुमार वैद्य, रामवेश सिंह राजावत, युवराज सिंह राठौर, मनीष गुप्ता एवं जीवनलाल जैन (चाय वाले) ने कहा कि भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, सहयोग एवं जागरूकता पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा तथा संगठन की टीम सेवा भाव के साथ जनहित में सदैव तत्पर रहेगी।

थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई

मोटरसाइकिल चोर थाना कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 11/05/2026 को फरियादी सैयद जैद निवासी रोशन चौक ने थाना हाजीर आकर बताया की दिनांक 08.05.26 को मेरी मोटरसाइकिल मिलन तिराहे पर खड़ी करी थी जो उक्त दिनांक को दोपहर में कोई अज्ञात व्यक्ति उसकी मोर साइकिल क्रमांक MP 68 MD 6594 चुरा कर ले गया जिस पर थाना कोतवाली पर अपराध क्रमांक 114/26 धारा 303(2) BNS का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री अंतर सिंह कनेश एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री गौरव पाटिल द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को मोटरसाइकिल चोरी के आरोपियों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

निर्देशों के पालन में थाना प्रभारी कोतवाली नीता देअरवाल के व्दारा थाना स्तर पर टिम गठित कर प्रभावी मुखबिरी लगाई गई एवं लगातार सीसीटीव्ही फुटेज चैक कियेसीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर 03 संदिग्ध को अभीरक्षा में लेकर पूछताछ की गई पूछताछ पर इनके द्वारा जुर्म कबूल किया गया कि हमारे ही द्वारा मिलन तिराहे पर खड़ी मोटरसाइकिल क्रमांक MP.68. MD. 6594 हमारे ही द्वारा चोरी की गई है आरोपीयो के कब्जे सेमोटरसाइकिल जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया आरोपी से अन्य मोटरसाइकिल के बारे में पूछताछ की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपीगण- सलीम खान पिता बाबू खान निवासी नदीम किराना के पास आजाद नगर।

दो अन्य नाबालिग- विशेष भूमिका थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक नीता देअरवाल, उनि सुनील पाटिल, प्र आर राजकुमार पटेल, प्र आर मातादीन कुशवाह, प्र आर दुष्यंत सोलंकी, सीसीटीवी कंट्रोल से सउनि मुकर्रिम खान, आर रितेश साल्वे द्वारा सराहनीय योगदान रहा।

भगवान श्री गोरखनाथ जी का पटो उत्सव मनाया जाएगा

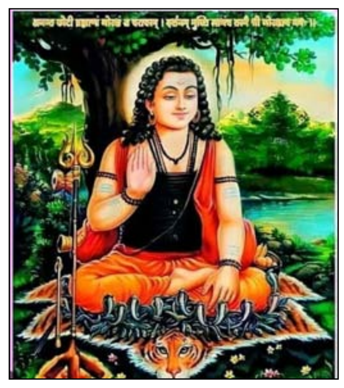

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय मालवा मेवाड़ नाथ योगी एवं चित्तौड़गढ़ जिले के नाथ समाज के योगी लक्ष्मीनाथ आसन दरिया नाथ अठाना ने जारी प्रेस नोट में बताया है कि आज 12 मई मंगलवार को समस्त चौखले एवं राजस्थान नाथ समाज एवं गोरक्ष सेना जिला चित्तौड़गढ़ के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गोरक्षसेना जिलाअध्यक्ष श्री नारायण नाथ योगी ने बताया कि महायोगी शिव अवतारी श्री गोरखनाथ जी महाराज का प्राकट्य उत्सव एवं निशुल्क कन्या विवाह एवं भव्य कलश यात्रा एवं अलग अतीत मंडल का भव्य निर्गुण सत्संग रात्रि 8:30 बजे से चित्तौड़गढ़ में नाथ योगी समाज द्वारा विशाल शोभायात्रा श्रीनाथजी की बगीची गांधीनगर से प्रातः 11:30 बजे से प्रारंभ होगी जिसमें नाथ योगी संप्रदाय के संत महात्माओं का समागम मुख्य अतिथि के रूप में श्री श्री 1008 पीर रामनाथ जी महाराज उज्जैन श्री श्री 1008 बाल योगी उमेश नाथ जी महाराज उज्जैन श्री श्री 1008 बाबा निरंजन नाथ जी अवधूत गऊ घाट बारा श्री महंत लालजी योगी दरिया नाथ जी मठ नीमच मध्य प्रदेश श्री महंत योगी सावरनाथ जी महाराज बामणी आयस श्री रमेश नाथ जी योगी भिखारी नाथ जी का मठ उदयपुर महंत श्री राम नारायणपुरी जी कालिका माता दुर्ग मंदिर चित्तौड़गढ़ महंत श्री जगन्नाथ भारती जी नीलकंठ महादेव दुर्ग चित्तौड़गढ़ सम्मानित संत महंत श्री चंद्र भारती जी महाराज हजारेश्वर महादेव पूज्य श्री विनोद चंद्र जी (गुरु जी) अंतर्राष्ट्रीय संत श्री दिग्विजय राम जी महाराज महंत श्री राम जी शरण जी महाराज नगर पालिका कॉलोनी चितौड़गढ़ तथा नाथ समाज के दर्शनीय संत चून्नी नाथ जी,भेरुनाथ जी, बंसी नाथ जी, शंभूनाथ जी, उदय नाथ जी, अंबानाथ जी, देवनाथ जी, शिवनाथ जी, बद्रीनाथ जी, बापू नाथजी,शिव नाथ जी, शंभू नाथ जी, महदेव नाथ जी,बालू नाथ जी,भोलानाथ जी, देवी नाथ जी,शंभू नाथ जी, देवनाथ जी, संतोष नाथ जी,लक्ष्मण नाथ जी आदी।

जावद क्षेत्र में भाजपा संगठन प्रश्नों के घेरे में, एल्डरमैनों की नियुक्तियों में कार्यकर्ताओं व जन-प्रतिनिधियों की उपेक्षा से असंतोष बढ़ा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद विधानसभा क्षेत्र में भाजपा संगठन और सत्ता में बैठे नेताओं की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहे सवाल अब और गहराते जा रहे हैं । हाल ही में,जावद विधानसभा क्षेत्र में की गई एल्डरमैनों की नियुक्तियों में एक,दो को छोड़ कर अन्य नियुक्तियों ने पार्टी के भीतर लंबे समय से चल रहे असंतोष को खुलकर सामने ला दिया है। भाजपा के कई कार्यकर्ताओं और जन-प्रतिनिधियों में इस बात को लेकर नाराजगी देखी जा रही है कि नियुक्तियों में न तो समर्पित कार्यकर्ताओं की राय ली गई और न ही निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों से उचित सलाह-मशविरा करना जरूरी समझा गया।

जावद विधानसभा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि एल्डरमैन के लिए नाम चयन की प्रक्रिया पूरी तरह मनमानी तरीके से की गई । पार्टी के पुराने और सक्रिय कार्यकर्ताओं का आरोप है कि संगठन में कुछ सीमित लोगों ने अपने प्रभाव का उपयोग कर नाम आगे बढ़ा दिए, जबकि वर्षों से पार्टी के लिए जावद विधानसभा क्षेत्र में वर्षों से कार्य करने वाले निष्ठावान कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर दिया गया।

निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को भी नहीं मिली प्राथमिकता- भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों की राय का विशेष महत्व होना चाहिए, लेकिन इस पूरे मामले में उनकी भी उपेक्षा की गई। नगर परिषद और संगठन से जुड़े कई जन-प्रतिनिधियों को अंतिम समय तक यह जानकारी तक नहीं थी कि किन नामों पर विचार किया जा रहा है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि संगठन में संवाद और समन्वय की स्थिति कमजोर होती गई तो इसका सीधा असर आगामी चुनावों और संगठनात्मक मजबूती पर पड़ सकता है। जावद क्षेत्र पहले से ही राजनीतिक रूप से संवेदनशील माना जाता है और यहां छोटी राजनीतिक नाराजगियां भी बड़े परिणामों में बदलती रही हैं।

समर्पित कार्यकर्ताओं में बढ़ रही निराशा- भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि चुनाव के समय उनसे दिन-रात मेहनत कराई जाती है, लेकिन जब संगठनात्मक व अन्य संस्थाओं में जिम्मेदारियां देने की बात आती है तो उन्हें किनारे कर दिया जाता है । कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पार्टी में अब मेहनत और समर्पण से अधिक गुटबाजी और व्यक्तिगत नजदीकियों को महत्व दिया जा रहा है।

अर्चना चिटनिस के निर्देश पर बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने तेजी से चल रहे कार्य

बुरहानपुर/ आयूष भावसार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस (दीदी) के निर्देश पर ग्राम फोफनार एवं आसपास के क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था को मजबूत और सुचारु बनाने के लिए विद्युत विभाग द्वारा तेजी से कार्य किए जा रहे हैं। लंबे समय से क्षेत्र में बनी हुई लो वोल्टेज, अतिभार और बार-बार ट्रिपिंग की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

क्षेत्र में बढ़ते विद्युत भार को देखते हुए ग्राम तुरकगोराड़ा ग्रीड पर 5 एमवीए क्षमता का नया पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इसके साथ ही यहां से निकलने वाली 11 केवी लाइन, जिसकी लंबाई लगभग 3 किलोमीटर है, का निर्माण कार्य प्रगति पर है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार आगामी एक सप्ताह में यह कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त ग्राम बड़गांव से फोफनार के मध्य 33 केवी लाइन निर्माण कार्य भी तेजी से जारी है। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति अधिक मजबूत और स्थिर हो सकेगी। संभावना है कि यह कार्य माह के अंत तक पूरा हो जाएगा। इन सभी कार्यों के पूर्ण होने के बाद क्षेत्र में लो वोल्टेज, ओवरलोड एवं बार-बार होने वाली ट्रिपिंग की समस्या में बड़ी कमी आएगी। इससे ग्रामीणों एवं किसानों को बड़ी राहत मिलेगी तथा सिंचाई कार्यों के साथ घरेलू बिजली व्यवस्था भी अधिक सुचारु हो सकेगी।

वहीं खामनी फीडर पर बढ़ते विद्युत भार के कारण उत्पन्न ट्रिपिंग की समस्या को दूर करने के लिए भी विशेष कार्य किए गए हैं। लाइन के तार ढीले होने से होने वाली परेशानी को समाप्त करने हेतु 5 नए मिडस्पान पोल लगाए गए हैं तथा लगभग आधा किलोमीटर नई 11 केवी लाइन स्थापित की गई है। साथ ही फोफनार ग्रीड का विद्युत भार जसौंदी ग्रीड पर शिफ्ट कर विद्युत आपूर्ति को अधिक संतुलित एवं सुचारु बनाया गया है।

क्षेत्रवासियों ने इन कार्यों के लिए विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनिस के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में लगातार प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं, जिससे आमजन, ग्रामीणों एवं किसानों को बड़ी राहत मिल रही है।

जीरन कृषि उपज मंडी में लहसुन उत्पादक किसानों से वैज्ञानिकों ने किया संवाद

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जीरन कृषि उपज मंडी में सोमवार को लहसुन उत्पादक किसानों की समस्याओं के समाधान हेतु कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

पृष्ठभूमि- उल्लेखनीय है, कि 30 अप्रैल को कलेक्टर श्री चंद्रा द्वारा जीरन कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर लहसुन शेड में किसानों से सीधे संवाद किया गया था। इस दौरान राजस्थान से आए किसान श्री बजेराम सहित अन्य लहसुन उत्पादकों ने लहसुन की गुणवत्ता प्रभावित होने, काली पड़ने, सेंटेड होने तथा भंडारण के बाद हरी होने जैसी समस्याओं से अवगत कराया था। कलेक्टर द्वारा किसानों को आश्वस्त किया गया था कि कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से इन समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान कराया जाएगा तथा रोग नियंत्रण एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही मंडी सचिव को किसानों की संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए थे।

वैज्ञानिकों से संवाद- इसी क्रम में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र नीमच के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.सी.पी. पचौरी, वैज्ञानिक पौध संरक्षण डॉ. श्याम सिंह सारंगदेवोत एवं आत्मा परियोजना के प्रभारी परियोजना संचालक डॉ. यतिन मेहता जीरन मंडी पहुंचे तथा किसानों से विस्तृत चर्चा की। किसानों ने लहसुन में इस वर्ष देखने को मिली विभिन्न समस्याओं जैसे सेंटेड होना, काला पड़ना, खुदाई के बाद हरा होना एवं अन्य रोगों से संबंधित समस्याएं रखीं। आगामी कार्ययोजना- वैज्ञानिकों ने किसानों को इन समस्याओं के संभावित कारणों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी लहसुन बुवाई से पूर्व एक विस्तृत कृषक संगोष्ठी आयोजित की जाएगी, जिसमें उत्पादन तकनीक, रोग प्रबंधन, भंडारण एवं गुणवत्ता सुधार पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया जाएगा। वैज्ञानिकों ने किसानों को यह भी आश्वस्त किया कि लहसुन की समस्याओं से संबंधित तकनीकी साहित्य एवं उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि किसान आगामी सीजन में बेहतर गुणवत्ता का उत्पादन कर सकें।

आईआईटी मद्रास बीएस डिग्री प्रोग्राम के आगामी बैच के लिए प्रवेश प्रारंभ, 31 मई आवेदन करने की अंतिम तिथि

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) के बीएस डिग्री प्रोग्राम ने शैक्षणिक सत्र-2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दिया है। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 है। आईआईटी की उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा अधिक से अधिक और विभिन्न पृष्ठभूमि के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाने का यह प्रोग्राम कक्षा 12 की पढ़ाई पूरी कर चुके सभी उम्मीदवारों के लिए है और इसमें आयु की कोई सीमा नहीं है।

बीएस इन डेटा साइंस एंड एप्लिकेशंस, बीएस इन इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम्स, बीएस इन मैनेजमेंट एंड डेटा साइंस और बीएस इन एरोनॉटिक्स एंड स्पेस टेक्नोलॉजी नाम से चार अलग-अलग प्रोग्राम उपलब्ध हैं। इनकी संरचना इस तरह की गई है कि विद्यार्थी स्वतंत्र डिग्री के रूप में या किसी नियमित कॉलेज डिग्री के साथ भी इस प्रोग्राम का लाभ उठाएं।

इन प्रोग्रामों में पढ़ाई मुख्य रूप से ऑनलाइन होती है, जबकि शैक्षणिक गुणवत्ता बनाए रखने और विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पूरे भारत में मौजूद परीक्षा केंद्रों पर व्यक्तिगत उपस्थिति में परीक्षाएं आयोजित होती हैं। विद्यार्थी अपनी गति से पढ़ाई कर सकते हैं तथा उन्हें सर्टिफिकेट, डिप्लोमा या डिग्री समेत कई एग्जिट आप्शन दिए जाते हैं ताकि वे शिक्षा और करियर के अपने लक्ष्यों के अनुसार इस सुविधा का लाभ उठाएं।

आवेदन करने के इच्छुक विद्यार्थी और उनके अभिभावक अधिक जानकारी के लिए आधिकारिक पोर्टल विजिट कर सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 की नजदीक आ गई है। इसलिए इच्छुक विद्यार्थी https://study.iitm.ac.in के माध्यम से आवेदन कर दें।

इन प्रोग्रामों के बारे में प्रो. प्रताप हरिदोस, डीन (अकादमिक कोर्स), आईआईटी मद्रास ने कहा, ÷ये बीएस डिग्री प्रोग्राम शिक्षा की गुणवत्ता कायम रखते हुए विद्यार्थियों को अपनी सुविधा से पढ़ाई करने का अवसर देते हैं। हम यह देख रहे हैं कि विद्यार्थियों को डेटा, प्रौद्योगिकी और अंतःविषयी सोच का मजबूत आधार देने की जरूरत बढ़ रही है चाहे वे मुख्य रूप से जिस डिग्री के लिए पढ़ाई कर रहे हों। इस प्रोग्राम के माध्यम से विद्यार्थी अन्य शैक्षणिक या प्रोफेशनल कोर्स के साथ-साथ आईआईटी मद्रास की उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त कर अच्छे करियर के अवसर बढ़ा सकते हैं।

भविष्य के लिए तैयार कौशल- आईआईटी मद्रास चाहता है कि विद्यार्थी भविष्य के लिए तैयार कौशल का विकास करें। यह इसलिए जरूरी है क्योंकि करियर के अवसर तेजी से बदल रहे हैं और उम्मीदवारों से उद्योगों की अपेक्षाएं बढ़ रही हैं। इसके मद्देनजर इस शिक्षा मॉडल में सब की सुविधा का ध्यान रखा गया है। यह भौगोलिक सीमाओं, पारंपरिक प्रवेश प्रक्रियाओं और कठोर शिक्षण संरचनाओं जैसी बाधाओं को दूर करता है।

बीएस डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए आम इंजीनियरिंग प्रोग्राम की तरह संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं है। विद्यार्थी एक क्वालिफायर प्रक्रिया के माध्यम से प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इस तरह आईआईटी मद्रास की शिक्षा पूरे देश के अधिक से अधिक विद्यार्थियों के लिए सुलभ हो गई है।

बीएस डिग्री प्रोग्रामों की सबसे बड़ी खूबी इनका अन्य अंडरग्रेजुएट कोर्सों के साथ तालमेल होना है। बीकॉम, बीएससी, बीबीए, या इंजीनियरिंग डिग्री के विद्यार्थी इसके साथ-साथ आईआईटी मद्रास के बीएस प्रोग्राम में नामांकन कर सकते हैं। ये उन्हें मुख्य शिक्षा कोर्स करने के साथ-साथ विश्लेषण, प्रौद्योगिकी और निर्णय लेने की क्षमताएं बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

आज के रोजगार परिदृश्य में डुअल-डिग्री का यह लचीलापन बहुत महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि आम तौर पर संगठन ऐसे ग्रैजुएट चाहते हैं जो क्षेत्रीय विशेषज्ञता को डेटा के अनुसार काम करने की विशेषज्ञता से जोड़ने में सक्षम हों। साथ ही, उम्मीदवारों से यह अपेक्षा रखते हैं कि उनके पास विभिन्न विषयों को परस्पर जोड़ कर समस्या-समाधान करने का कौशल हो।

आईआईटी मद्रास के बीएस डिग्री प्रोग्रामों में पूरे भारत के लाखों विद्यार्थी नामांकित हैं। इस तरह जन-जन तक आईआईटी मद्रास की विश्वस्तरीय शिक्षा पहुंचाने का सपना पूरा हो रहा है। संस्थान सब के विकास पर जोर देते हुए कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि के योग्य उम्मीदवारों को 75 प्रतिशत तक शुल्क सहायता भी प्रदान करता है। यह सुनिश्चित करता है कि अर्थाभाव किसी की पढ़ाई में बाधक नहीं हो।

इन प्रोग्रामों के करिकुलम उद्योग और शिक्षा जगत के विशेषज्ञों के परामर्श से तैयार किए गए हैं। इनमें व्यावहारिक शिक्षा, वास्तविक जन-जीवन के उपयोगों और नवोदित प्रौद्योगिकियों पर जोर दिया गया है। विद्यार्थियों को अच्छे करियर के उभरते अवसरों के लिए तैयार करने के लिए डेटा विश्लेषण, व्यावसायिक निर्णय, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों जैसे जरूरी शिक्षा क्षेत्रों का अनुभव मिलता है।

किसान भाई फार्मर रजिस्ट्री शिविर में बनवाएं फार्मर आई.डी

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन द्वारा संचालित योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम किसान), प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई), समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर उपज विक्रय, ई-विकास प्रणाली अन्तर्गत ई-टोकन से खाद वितरण एवं के.सी.सी. ऋण वितरण के लिये *फार्मर आई.डी. की आवश्यकता रहेगी*कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन मे जिले में किसानो की फार्मर आईडी बनाने के लिए पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपसंचालक कृषि श्री दिनेश मंडलोई ने बताया कि किसानों की फार्मर आई.डी. बनाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा 11. से 29 मई2026 तक प्रत्येक ग्राम पंचायत/हल्का स्तर पर निर्धारित दिनांक को फार्मर रजिस्ट्री शिविरो का आयोजन किया जा रहा है। अतः किसान भाईयों से अपील की गई है कि आगामी खरीफ मौसम में खाद लेने तथा विभागीय योजनाओं में पंजीयन करने के लिये फार्मर आई.डी. आवश्यक होगा।

रतनगढ़ पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ी डोडाचूरा की बड़ी खेप, लाखों की क्रेटा कार सहित 2 आरोपी गिरफ्तार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतनगढ़ थाना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा की तस्करी कर रहे दो आरोपियों को रंगे हाथों दबोचा है। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में अवैध डोडाचूरा और तस्करी में प्रयुक्त लग्जरी कार भी बरामद की है।

चेकिंग के दौरान मिली सफलता- मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 11 मई 2026 को पुलिस टीम द्वारा संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।

इसी दौरान ग्राम मुवादा के कच्चे रास्ते पर एक सफेद रंग की हुंडई क्रेटा कार (नंबर ऋ 27 ष्ट॥ 1981) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान वाहन के भीतर से कुल 141 किलो 300 ग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया गया।

इनकी रही मुख्य भूमिका- इस पूरी कार्रवाई को पुलिस अधीक्षक नीमच श्री राजेश व्यास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवल सिंह सिसोदिया एवं एसडीओपी जावद श्री रोहित राठौर के मार्गदर्शन में अंजाम दिया गया। कार्रवाई में रतनगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक भूरलाल भाबर, उनकी टीम तथा साइबर सेल नीमच के प्रधान आरक्षक प्रदीप शिन्दे की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

कानूनी शिकंजा - पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य संभावित नामों और मादक पदार्थ के स्रोत का पता लगाया जा सके।

लाखों का मशरूका जब्त, आरोपी गिरफ्त में- पुलिस द्वारा जब्त किए गए डोडाचूरा की अनुमानित कीमत करीब 14,13,000 रुपये बताई जा रही है, वहीं तस्करी में उपयोग की गई क्रेटा कार की कीमत लगभग 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है:-

राजेश (33 वर्ष), पिता कन्हैयालाल धाकड़, निवासी ग्राम मुवादा।

कन्हैयालाल (26 वर्ष), पिता शंकरलाल धाकड़, निवासी ग्राम मुवादा।

झांतला में अनंतमति श्राविका संस्कार शिविर, में मेवाड़ प्रांत की 250 बालिकाओं ने भाग लिया

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशुद्ध नगर ग्राम झांतला मैं, मेवाड़ प्रांत कि उपस्थित में,आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज नवाआर्चाय श्री समय सागर जी महाराज के आशीर्वाद से अर्हम योग, प्रणेता मुनि श्री प्रणम्य सागर जी महाराज ससंघ आर्यिका श्री प्रशममति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में मेवाड़ प्रांत में प्रथम बार दिव्य अनंतमति सेविका संस्कार शिविर का 10 मई रविवार को भव्य आयोजन किया गया।

उक्त अनंतमति संस्कार शिविर पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रीय संत प्रणम्य सागर जी महाराज ने कहा कि अनंतमति संस्कार ही नहीं बल्कि यह निकांक्षित व्रत सच्ची श्रद्धा का अंग है। प्रसिद्ध एक परम सती और धर्मात्मा कन्या की पौराणिक कथा है। जो सत्य है। व वर्तमान समय में अनंतमति संस्कार जरूरी है।

संत श्री ने आगे कहा कि अनंतमति सांसारिक सुखों से विरक्त होकर सच्ची आस्था के लिए जानी जाती है। निकांक्षित व्रत बचपन से ही ब्रह्मचर्य व्रत सत्य मार्ग दृढ़ निश्चय सती की उपाधि अपने कठिन शील और ब्रह्मचर्य का व्रत के पालन के लिए इसे सती अनंतमति के रूप में माना जाता है।

इस अवसर पर आर्यिका प्रशममति माताजी ने कहा की भोगो व सांसारिक त्याग कर सम्यक दृष्टि ज्ञान,शील व्रत संयम पर चलने वाले की रक्षा स्वयं प्रभु करते हैं। व्रत व,शीलों के प्रति श्रद्धा विश्वास ही धर्म है। चरित्र के प्रति संपूर्ण निष्ठा ही सच्चा धर्म है। अणुव्रत का संकल्प ही हमें समावृत की ओर ले जाता है।

अनंतमति व्रत संकल्प का ही नाम है।

इस कार्यक्रम में, सिंगोली बोराव, बेगु, नीमच, मनासा बिजोलिया, धनगांव थड़ोंद, चेंची, कांकरिया तलाई,महुआ मानपुरा, डाबी, रावतभाटा, कोटा आदि मेवाड़ प्रांत से बड़ी संख्या में समाज जनो, ने अपनी उपस्थिति दर्ज कर की।शिविर में 8 वर्ष से ऊपर की अविवाहित कन्याओं ने शिविर में भाग लिया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कन्याओं को जैन धर्म के सिद्धांतों ,नैतिक मूल्यों, संस्कारों ,पूजा पाठ और जीवन जीने की सही कला आध्यात्मिक शिक्षा से सीखना ।इस शिविर में 200 से अधिक कन्याओं ने श्राविका संस्कार शिविर में भाग लिया। इससे पूर्व 7:00 बजे अभिषेक शांति धारा हुई,दोपहर 12:30 बजे शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम स्थल सार्वजनिक डोम पर दोपहर 1:00 बजे मंगलाचरण दोपहर 1:30 बजे संस्कार विधि प्रारंभ दोपहर 3:30 बजे मुनि श्री आर्यिका ससंघ के मंगल प्रवचन सायं काल 6:30 बजे गुरु भक्ति की गई ।कार्यक्रम का सफल संचालन संजय जैन द्वारा किया गया आभार अभिव्यक्ति युवा समाज अध्यक्ष पारस (सिंटू) मोहिवाल द्वारा किया गया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

शिप्रा के लेफ्ट बैंक का सर्वे पूरा, आज राइट बैंक की बारी

विक्रांत भैरव से सिद्धवट पुल तक पैदल निरीक्षण, 64 एंट्री-एग्जिट पॉइंट चिन्हित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों को लेकर प्रशासन ने शिप्रा नदी के घाटों और पहुंच मार्गों का ग्राउंड सर्वे तेज कर दिया है। सोमवार को अधिकारियों की टीम ने शिप्रा के लेफ्ट बैंक का निरीक्षण पूरा कर लिया। अब आज मंगलवार से राइट बैंक का मुआयना शुरू होगा। अब तक लेफ्ट बैंक पर 64 एंट्री और एग्जिट पॉइंट चिन्हित किए जा चुके हैं, जिनके आधार पर श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए नए मार्ग विकसित किए जाएंगे।

मेला अधिकारी एवं संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, निगमायुक्त अभिलाष मिश्रा और यूडीए सीईओ संदीप सोनी ने सोमवार सुबह विक्रांत भैरव क्षेत्र से निरीक्षण की शुरुआत की। टीम शिप्रा किनारे पैदल चलते हुए कालभैरव मंदिर के पीछे, भैरवगढ़ जेल पुल, मंगलनाथ क्षेत्र और सिद्धवट होते हुए आगर-उन्हेल रोड पुल तक पहुंची।

करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबे इस निरीक्षण में अधिकारियों ने घाट निर्माण कार्यों की प्रगति भी देखी। कई स्थानों पर निर्माण कार्य तेज गति से चलता मिला। प्रशासन का कहना है कि सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित एप्रोच रोड तैयार किए जाएंगे। अधिकारियों के अनुसार विक्रांत भैरव से सिद्धवट पुल तक 15 नए एंट्री-एग्जिट पॉइंट भी चिन्हित किए गए हैं। इन मार्गों को भविष्य में सिंहस्थ की मुख्य यातायात और भीड़ प्रबंधन योजना से जोड़ा जाएगा। आज मंगलवार को राइट बैंक का निरीक्षण कर दूसरी ओर के घाटों और पहुंच मार्गों का सर्वे किया जाएगा।

चार मंजिला मकान की छत पर गिरा मासूम बालक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार सुबह निर्माणाधीन चार मंजिला मकान की छत से साढ़े 3 साल का बालक गिर गया। दूसरी मंजिल की छत से परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे।

बड़वानी का रहने वाला परिवार इंदौर रोड स्थित लाल गेट पर चार मंजिला मकान पर मजदूरी कर रहा है निर्माण अधीन मकान का ठेकेदार जगदीश है। आज सुबह मजदूर परिवार का साढ़े 3 साल का पुत्र पीयूष पिता उमेश भावरे चौथी मंजिल की छत पर खेल रहा था अचानक संतुलन बिगड़ने पर नीचे दूसरी मंजिल की छत पर आ गिरा। गंभीर रूप से घायल होने पर मासूम बालक को परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे हैं। बालक के सिर में अंदरुनी गंभीर चोट लगी है। जिसके चलते उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। अस्पताल की ओर से मामले की सूचना पुलिस को दी गई है।

चलती ट्रेन से गिरे उत्तर प्रदेश के युवक की मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार तड़के चलती ट्रेन से गिरे युवक की मौत हो गई। युवक के साथ उसका चचेरा भाई और दोस्त थे दोनों उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। उत्तर प्रदेश के हमीदपुर में रहने वाला जगदीश पिता उदय भान 39 साल सूरत की साड़ी फैक्ट्री में काम करता था। दो माह से वह अपने घर हमीरपुर में था। रविवार को चचेरे भाई अर्जुन और दोस्त जगत के साथ वापस साड़ी फैक्ट्री जाने के लिए झांसी सूरत एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुआ था। आज तड़के ट्रेन मक्सी रोड स्थित पिंगलेश्वर रेलवे ट्रैक से गुजर रही थी इस दौरान गेट पर बैठा जगदीश अचानक गिर गया। दोस्त जगत और भाई अर्जुन को घटना का पता चला तो उन्होंने रेलवे पुलिस को सूचना दी ट्रेन के रुकने पर और रेलवे पुलिस के घटना स्थल ट्रैक पहुंचने के बाद जगदीश को अस्पताल लाया गया लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। भाई और दोस्त पोस्टमार्टम के बाद शव उत्तर प्रदेश लेकर जाएंगे।

होटल मित्तल एवेन्यू पर निगम द्वारा 15 हजार का जुर्माना किया

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत उज्जैन शहर के प्रमुख बड़े होटलों से निकलने वाले गीले कचरे का निष्पादन स्वयं होटल वालों द्वारा किया जाना होता है जिसके क्रम में होटल मित्तल एवेन्यू द्वारा अपने होटल से निकलने वाले अपशिष्ट कचरे का प्रसंस्करण नहीं करने एवं गंदगी करते पाए जाने पर निगम द्वारा 15 हजार का जुर्माना किया गया उल्लेखनीय है कि शहर के प्रमुख बड़े होटलों द्वारा 50 किलो से ज्यादा थोक कचरा उत्पादक गीले कचरे को स्वयं द्वारा कंपोस्ट पिट बनाते हुए स्वयं द्वारा निष्पादन किया जाना है।

एक माह में 2 चोरी की वारदात करने वाले गिरफ्तार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक माह में दो चोरी की वारदात करने वाले बदमाश और उसके नाबालिग साथी को पुलिस गिरफ्तार किया है। वारदात में चोरी का माल बरामद होने पर दोनों को न्यायालय में पेश किया गया।

चिमनगंज थाना पुलिस ने बताया 26 मार्च को अमित जैन द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उद्योगपुरी क्षेत्र स्थित उसके प्रतिष्ठान से अज्ञात चोरों द्वारा हर रात को अंजाम दिया गया है। वही 29 अप्रैल को कृषि उपज मंडी क्षेत्र में हुई चोरी की दीपक सोनी निवासी पार्श्वनाथ सिटी द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

दोनों घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए वारदात स्थलों के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। जिसके आधार पर एक बदमाश की पहचान साहिल उर्फ भेरिया के रूप में हुई। जिसे हिरासत में लिया गया और पूछताछ की गई तो उसने अपने नाबालिग साथी के साथ मिलकर चोरी की वारदात करना कबूल कर लिया। नाबालिग साथी को हिरासत में लेकर दोनों की निशानदही पर उद्योगपुरी स्थित प्रतिष्ठान से चोरी किया गया 40 किलो तांबे का स्क्रैप और चिमनगंज क्षेत्र में हुई चोरी में 2 डीवीआर एवं 1000 नगद जप्त किए गए। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से साहिल को जेल भेजा गया है और नाबालिक को बाल संरक्षण गृह में दाखिल कराया गया है।

पर्व स्नान से पहले शिप्रा में छोड़ा गया नर्मदा जल

शनिश्चरी अमावस्या और गंगा दशमी पर रामघाट तक मिलेगा पानी, त्रिवेणी घाटों पर शावर भी लगाए जाएंगे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी पर्व स्नानों को देखते हुए प्रशासन ने सूखी पड़ी शिप्रा में नर्मदा का पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। रविवार से नागफनी पाइपलाइन के जरिए नर्मदा जल त्रिवेणी क्षेत्र में पहुंचने लगा। अब इसे धीरे-धीरे रामघाट तक पहुंचाया जाएगा ताकि 16 मई की शनिश्चरी अमावस्या, शनि जयंती और 25 मई की गंगा दशमी पर श्रद्धालुओं को स्नान में परेशानी न हो।

फिलहाल त्रिवेणी घाटों पर पानी रोका जा रहा है। बैराज के गेट खोले जाने के बाद जल प्रवाह आगे बढ़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक रामघाट तक पानी पहुंचने में चार से पांच दिन लग सकते हैं। प्रशासन का दावा है कि पर्वों के दौरान घाटों पर पर्याप्त जल उपलब्ध रहेगा। कम पानी की स्थिति को देखते हुए त्रिवेणी घाट पर फव्वारों और शावर की व्यवस्था भी की जा रही है, ताकि श्रद्धालु आसानी से स्नान कर सकें। पीएचई विभाग लगातार जलभराव और प्रवाह की मॉनिटरिंग कर रहा है। विभाग के ईई वैभव भावसार ने बताया कि 16 मई तक नर्मदा जल छोड़ा जाएगा और पूरी प्रक्रिया की रिपोर्ट जिला प्रशासन को दी जा रही है। इधर, शिप्रा में नर्मदा जल छोड़ने के साथ घाटों पर साफ-सफाई और व्यवस्थाओं का काम भी तेज कर दिया गया है। प्रशासन की कोशिश है कि पर्व स्नान के दौरान श्रद्धालुओं को सूखी नदी या अव्यवस्था का सामना न करना पड़े।

बच्ची की मौत के बाद हरकत में आया प्रशासन, उज्जैन में अस्पतालों-क्लीनिकों पर अब होगी सख्त कार्रवाई

बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे अस्पताल निशाने पर- 5 जांच टीमें गठित, नियम तोड़े तो सीलिंग और एफआईआर दर्ज होगी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक क्लीनिक में ऑपरेशन के दौरान मासूम बच्ची की मौत के बाद अब जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह एक्शन मोड में आ गया है। लंबे समय से बिना पंजीयन और नियमों को ताक पर रखकर चल रहे अस्पतालों व क्लीनिकों पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू हो गई है। कलेक्टर के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने जिलेभर में विशेष जांच अभियान चलाने का फैसला लिया है। इसके लिए पांच अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं, जो शहर और आसपास के क्षेत्रों में अचानक पहुंचकर अस्पतालों और क्लीनिकों की जांच करेंगी।

सीएमएचओ ने साफ कहा है कि बिना वैध पंजीयन अस्पताल या क्लीनिक चलाना पूरी तरह गैरकानूनी है। सभी बीएमओ और मेडिकल अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निरीक्षण करें और संदिग्ध संस्थानों की रिपोर्ट तुरंत भेजें।

पंजीकृत अस्पताल भी रडार पर- स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई केवल बिना रजिस्ट्रेशन चल रहे क्लीनिकों तक सीमित नहीं रहेगी। पहले से पंजीकृत अस्पतालों और नर्सिंग होम की भी जांच होगी। अधिकारियों की टीम यह देखेगी कि अस्पतालों में जरूरी सुविधाएं मौजूद हैं या नहीं, डॉक्टरों की वैध नियुक्ति है या नहीं और इलाज तय मानकों के अनुसार किया जा रहा है या नहीं। जांच में यदि लापरवाही, अवैध संचालन या नियमों का उल्लंघन मिला तो संबंधित अस्पताल के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जरूरत पड़ने पर अस्पताल या क्लीनिक को सील भी किया जा सकता है।

पहले भी कई मामलों ने खड़े किए सवाल- उज्जैन में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर पहले भी कई विवाद सामने आते रहे हैं। फ्रीगंज स्थित एमपी अस्पताल में युवक प्रताप की मौत के बाद जांच में गंभीर लापरवाही उजागर हुई थी। दताना निवासी मुस्कान के गर्भस्थ शिशु की मौत के मामले में भी डॉक्टरों पर सवाल उठे थे। इसके अलावा पामेचा अस्पताल में शव देने में देरी को लेकर विवाद हुआ था, जबकि झोलाछाप इलाज के आरोप में तैय्यबा शेख के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज हो चुकी है। लगातार सामने आ रहे इन मामलों के बावजूद अवैध क्लीनिकों पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई थी। अब बच्ची की मौत के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है।

पांच टीमों को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी- स्वास्थ्य विभाग ने जांच अभियान के लिए पांच टीमें बनाई हैं। हर टीम को अलग-अलग क्षेत्रों में निरीक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

-दल-1 = डॉ. जितेन्द्र राजपूत, डॉ. शिव मेनिया, कपिल व्यास

-दल-2 = डॉ. मंजूषण पिप्पल, डॉ. पंकज टांक, पी.के. लोधी

-दल-3 = डॉ. सुनीता परमार, डॉ. आदित्य माथुर, अंफुल चौधरी

-दल-4 = डॉ. विक्रम रघुवंशी, डॉ. प्रदीप सोमेश, विकास राजपूत

-दल-5 = डॉ. आर.के. पाल, डॉ. आदित्य रावल, आर.के. वाडिया

निर्माणाधीन नाली में गिरी महिला के शरीर में घुसा सरिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण के दौरान सोमवार दोपहर बड़ा हादसा होना सामने आया। नाली में गिरते ही महिला के शरीर में सरिया घुस गया। महिला को स्थानीय लोगों ने सरिया काटकर बाहर निकाला। महापौर अस्पताल लेकर पहुंचे। मक्सी रोड पर रहने वाली प्रेमलता हारिया घरों में काम करती है सोमवार को वह देसाई नगर में हिमांशु शुक्ला के घर काम पर जा रही थीं। इसी दौरान निर्माणाधीन नाली के पास उनका संतुलन बिगड़ गया और सीधे गड्ढे में जा गिरीं। नाली निर्माण के लिए सरिया लगाए गए थे एक सरिया उनकी पीठ से आर पार होकर पेट के रास्ते बाहर निकल गया। हादसे के बाद आसपास के लोग एकत्रित हो गए और अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने महिला की मदद करते हुए लोहे का सरिया काटा और उन्हें बाहर निकाला। सरिया शरीर में फंसा हुआ था तभी मौके से गुजर रहे महापौर मुकेश टटवाल ने घटनाक्रम देखा तो वह महिला को अपने वहां से अस्पताल लेकर पहुंचे निजी अस्पताल में महिला की सर्जरी कर सरिया निकल गया है लेकिन उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। एसएस हॉस्पिटल डॉ. सुशील गुप्ता ने बताया कि महिला के शरीर में सरिया गहराई तक घुसा था, अंदरूनी अंगों को नुकसान हुआ है। महापौर मुकेश टटवाल ने कहा कि निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं थे और सरिये खुले पड़े हुए थे, जिसकी वजह से इतना बड़ा हादसा हुआ। महिला के परिवार में दो लड़के हैं। एक 16 साल का है और एक उससे छोटा है। पति की मृत्यु हो चुकी है।

कांग्रेस के आंदोलन पर पुलिस का डंडा... सड़क पर सियासी संग्राम

अशोक जाट के जिलाबदर के विरोध में उज्जैन में उग्र प्रदर्शन; लाठीचार्ज में किसान घायल, 13 मई को हाईकोर्ट में सुनवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को किसान कांग्रेस जिलाध्यक्ष अशोक जाट को जिलाबदर किए जाने के विरोध में कांग्रेस, किसान संगठनों और जाट समाज का प्रदर्शन अचानक उग्र हो गया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर धक्का-मुक्की, नोकझोंक और हंगामे के बाद हालात ऐसे बिगड़े कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। कार्रवाई में देवनखेड़ी निवासी किसान जयराम जाट घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं तीन लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

प्रदर्शन के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा कांग्रेस विधायक महेश परमार और एडिशनल एसपी आलोक शर्मा के बीच हुई तीखी बहस की रही। घटनास्थल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें विधायक महेश परमार एएसपी के पीछे-पीछे चलते हुए उन्हें दंडवत प्रणाम करने की मुद्रा में नजर आ रहे हैं। वीडियो में पुलिस अधिकारी खुद को अलग करते दिखाई देते हैं, जबकि समर्थक नारेबाजी करते रहे।

ट्रैक्टरों के साथ पहुंचे कार्यकर्ता, पुलिस ने रास्ते में रोका- कांग्रेस विधायक महेश परमार, किसान नेता मुकेश भाटी और बड़ी संख्या में किसान ट्रैक्टरों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने उज्जैन पहुंच रहे थे। बड़नगर रोड स्थित ब्रिज के नीचे पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद माहौल गर्मा गया।करीब एक घंटे तक सड़क पर बहस, नारेबाजी और बैरिकेड्स पर चढ़ने की कोशिश चलती रही। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर किसानों की आवाज दबाने का आरोप लगाया, जबकि पुलिस लगातार समझाइश देती रही। आखिरकार तनाव बढ़ने पर पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, जिससे भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

किसानों की आवाज उठाई तो जिलाबदर कर दिया- प्रदेश किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने आरोप लगाया कि मंडियों के बाहर किसानों से अवैध रूप से ज्यादा अनाज वसूला जा रहा था। किसान नेता अशोक जाट ने इसका विरोध किया और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। चौहान ने कहा कि व्यापारियों पर कार्रवाई करने के बजाय प्रशासन ने अशोक जाट पर ही सरकारी काम में बाधा डालने का मामला दर्ज कर उन्हें जिलाबदर कर दिया। कांग्रेस नेताओं ने इसे किसानों की आवाज दबाने की साजिश बताया।

उज्जैन में गुंडे खुले घूम रहे, किसान नेता पर कार्रवाई- कांग्रेस विधायक महेश परमार ने प्रशासन पर हमला बोलते हुए कहा कि अशोक जाट किसानों की समस्याओं पर हमेशा मौके पर पहुंचते हैं, लेकिन ऐसे नेता को जिलाबदर कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि शहर में अपराधी खुले घूम रहे हैं, मगर कार्रवाई किसान नेताओं पर हो रही है। वहीं महिदपुर विधायक दिनेश जैन बोस ने कहा कि वे किसानों की लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें उज्जैन आने से रोकने की कोशिश की, लेकिन वे पीछे हटने वाले नहीं हैं।

बैरिकेड पर चस्पा किया ज्ञापन- प्रदर्शनकारी कलेक्टर को ज्ञापन सौंपना चाहते थे, लेकिन उनके मुताबिक प्रशासन का कोई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड पर ही ज्ञापन चस्पा कर विरोध दर्ज कराया।

जाट समाज के युवा नेता राधे जाट ने प्रशासन को 21 मई तक का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि अशोक जाट पर कार्रवाई वापस नहीं ली गई तो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगला प्रदर्शन भोपाल में होगा।

हाईकोर्ट पहुंचा मामला- इधर किसान कांग्रेस अध्यक्ष अशोक जाट ने अपने जिलाबदर आदेश को चुनौती देते हुए इंदौर हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। मामले में 13 मई को सुनवाई प्रस्तावित है। अब सबकी नजर कोर्ट के फैसले और प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई है।

दुर्घटना के बाद ई-रिक्शा चालक ने लगाई फांसी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिन में रिक्शा पलटने पर शाम को चालक ने फांसी लगा ली। भाई घर पहुंचा तो उसने फंदे पर लटका देखा। पुलिस ने पोस्टमार्टम करा कर जांच शुरू की है।

पंवासा क्षेत्र मक्सी रोड पर रहने वाला विकास पिता रमेश चंद गहलोत ई रिक्शा चालक था। देर शाम भाई अर्जुन घर पहुंचा तो उसने विकास को फांसी के फंदे पर लटका देखा। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पहुंची थी। शव पोस्टमार्टम के लिए चरक अस्पताल लाया गया था। सोमवार सुबह भाई ने बताया कि दिन में विकास की रिक्शा पलटी खा गई थी। पूर्व में भी दुर्घटना में विकास का एक हाथ टूट गया था उसके हाथ में प्लेट लगाई गई थी। शाम को विकास के दोस्त का कॉल आया था और बताया था कि दिन में रिक्शा पलटने पर घायल हुआ है उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था लेकिन उसने मना कर दिया घर पर छोड़ा है हाथ में चोट लगी है। दोस्त का कॉल आने पर विकास को अस्पताल ले जाने के लिए वह घर पहुंचा था। भाई अर्जुन ने बताया कि तीन-चार दिनों से विकास घर पर अकेला था उसकी पत्नी बच्चों को लेकर शादी में शामिल होने के लिए इंदौर गई हुई थी। परिवार ने आशंका जताई कि पूर्व में हुई दुर्घटना और एक बार फिर रिक्शा पलटने पर उसे लगी चोट के चलते उसने आत्मघाती कदम उठाया है विकास शराब पीने का भी आगे था। पुलिस के अनुसार मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की गई है दोस्त और परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत विद्यालयों में पौधारोपण करें जिससे बच्चों को प्रकृति के सानिध्य में शिक्षा प्राप्त हो- कलेक्टर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने सोमवार सुबह कलेक्टर कार्यालय सभागृह में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण की विभागवार समीक्षा कर लंबित शिकायतों के निराकरण शीघ्रता से करने के निर्देश सभी अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने 50 से अधिक दिनों से लंबित शिकायतों के निराकरण शुक्रवार तक करने के निर्देश सभी विभागों को दिए। शिकायत निराकरण में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर श्री सिंह ने उच्च शिक्षा विभाग की नोडल अधिकारी,महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी और बड़नगर नगर पालिका सीएमओ को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में पदीय दायित्वों में सतत् लापरवाही बरतने पर खाचरौद नगर पालिका सीएमओ की विभागीय जांच शुरू करने के निर्देश दिए।

गंगा दशहरा पर्व पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय ऑनलाइन सम्मिलित होंगे- कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में आगामी गंगा दशहरा पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां व्यवस्थित प्रबंधन और विभागीय समन्वय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जानकारी दी कि गंगा दशहरा का कार्यक्रम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में प्रदेश स्तरीय होगा और उसमें सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी होगी।कार्यक्रम में सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय निकाय ऑनलाइन सम्मिलित होंगे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यों में जनभागीदारी सुनिश्चित करें- कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

शहर में अघोषित कटौती से भीषण गर्मी में लोग बेहाल

42 से 44 डिग्री तापमान के बीच बार-बार बंद हो रही सप्लाई - ग्रामीण इलाकों में भी मेंटेनेंस के नाम पर यही हाल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच अघोषित बिजली कटौती ने आम जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। मई में तापमान लगातार 42 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। ऐसे हालात में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक बिजली की आंख-मिचौली लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। दिन हो या रात, बिना सूचना बिजली गुल रहने से लोग परेशान हैं।

शहर के कई इलाकों में रोजाना सुबह से देर रात के बीच कई बार बिजली कटौती हो रही है। खास बात यह है कि विभाग द्वारा प्री-मानसून मेंटेनेंस के नाम पर भी सप्लाई बंद की जा रही है। भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक बिजली बंद रहने से घरों में लगे कूलर और पंखे बंद पड़ जाते हैं, जिससे लोग उमस और गर्मी से बेहाल हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और ज्यादा खराब बताई जा रही है। गांवों में रोस्टिंग और अघोषित कटौती के कारण लोगों को रातभर जागकर समय बिताना पड़ रहा है। कई गांवों में देर रात बिजली गुल होने से लोग घरों से बाहर छतों और गलियों में बैठने को मजबूर हैं। गर्मी बढने के साथ बिजली की खपत भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई है। लगातार बढ़ रहे लोड के कारण ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों पर दबाव बढ़ रहा है। ओवरलोडिंग के चलते बार-बार फॉल्ट हो रहे हैं, जिससे सप्लाई बाधित हो रही है। बिजली संकट का असर अब लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। तेज गर्मी और उमस के कारण अस्पतालों में उल्टी-दस्त और डिहाइड्रेशन के मरीज बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों को उठानी पड़ रही है। वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। रात में बिजली कटने से छात्र पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं। परीक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों ने भी बिजली व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई है। इधर बिजली विभाग का कहना है कि बारिश के मौसम में बेहतर सप्लाई बनाए रखने के लिए प्री-मानसून मेंटेनेंस किया जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक लाइनों और ट्रांसफार्मरों की मरम्मत जरूरी है ताकि मानसून में बड़े फॉल्ट से बचा जा सके। हालांकि भीषण गर्मी के बीच लंबे समय तक कटौती को लेकर लोगों में नाराजगी बनी हुई है। बिजली कटौती से परेशान उपभोक्ता एमपीपीकेवीवीसीएल के टोल फ्री नंबर 1912 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। शहर में लगातार बढ़ रही शिकायतों के बीच अब लोग नियमित और निर्बाध बिजली सप्लाई की मांग कर रहे हैं।